संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 118
पृष्ठ 8
गुरूवार
15 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कीवी से बनाएं एंटी-एजिंग...

विचार- अमेरिका की निगाह ईरान पर...

खेल- तबाही मचा सकते हैं ये 5भारतीय...

प्रधानमंत्री मोदी बोले-

जब ये धरती हमें इतना कुछ देती है तो उसे संजोने का दायित्व भी हमारा है

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में केंद्रीय राज्यमंत्री एल. मुरुगन के निवास पर आयोजित पोंगल उत्सव में शामिल हुए। इसके साथ ही उन्होंने गौ सेवा भी की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पोंगल अब एक वैश्विक त्योहार बन गया है और तमिल संस्कृति पूरे भारत की साझा धरोहर है। पीएम मोदी ने बताया कि पोंगल लोगों को यह सिखाता है कि प्रकृति के प्रति आभार केवल शब्दों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि पोंगल का त्योहार हमें

प्रेरित करता है कि प्रकृति के प्रति आभार केवल शब्दों तक सीमित न रहे। उसे हम जीवन शैली का हिस्सा बनाएं। जब ये धरती हमें इतना कुछ देती है तो उसे संजोने का दायित्व भी हमारा है। अगली पीढ़ी के लिए मिट्टी को स्वस्थ रखना और पानी को बचाना और संसाधनों का संतुलित उपयोग करना सबसे जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा आज पोंगल एक वैश्विक त्योहार बन गया है। पिछले साल मुझे तमिल संस्कृति से जुड़े कई कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिला। यह संस्कृति केवल भारत की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की साझा धरोहर है। पीएम मोदी ने कहा कि तमिल संस्कृति में किसान को जीवन की आधारशिला माना गया है। उन्होंने तिरुक्कुरल का हवाला देते हुए कहा कि इसमें कृषि और किसानों के महत्व पर विस्तार से लिखा गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पोंगल लोगों को प्रेरित करता है कि प्रकृति का सम्मान जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया की लगभग सभी सभ्यताओं में फसलों से जुड़ा कोई न कोई पर्व मनाया जाता है। तमिल संस्कृति में किसान को जीवन का आधार माना गया है। तिरुक्कुरल में कृषि और किसानों पर विस्तार से लिखा गया है। हमारे किसान राष्ट्र निर्माण के मजबूत साथी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिल संस्कृति की समृद्ध परंपरा पर जोर देते हुए कहा कि यह केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारत की साझा धरोहर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पोंगल जैसे त्योहार एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री ने देशभर में लोहड़ी, मकर संक्रांति, माघ बिहू जैसे त्योहारों के प्रति उत्साह की भी सराहना की और तमिल भाइयों–बहनों को शुभकामनाएं दी। पोंगल, तमिल समुदाय के लिए सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है।

पूर्व सैनिक दिवस पर आर्मी चीफ बोले-

पूर्व सैनिक विकसित भारत की नींव, देश को गर्व है

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व सैनिक दिवस, जनरल द्विवेदी, सेना प्रमुख, जयपुर, ऑपरेशन सिंदूर, सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिक। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को 10वें पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं और पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्र के प्रति उनके निरंतर योगदान को रेखांकित किया। जयपुर में आयोजित सेना पूर्व सैनिक दिवस 2026 समारोह में भाग लेते हुए, सीओएएस जनरल द्विवेदी ने अपने भाषण में कहा कि 10वें पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सर्वप्रथम, मैं हमारे सभी पूर्व सैनिकों के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करता हूं। मैं हमारी बहादुर

महिला सैनिकों के परिवारों को सलाम करता हूं। हर सैनिक एक दिन पूर्व सैनिक बनेगा य हम सभी एक ही पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं।उन्होंने देश की जरूरत के समय पूर्व सैनिकों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया, विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनके प्रयासों की सराहना की। जनरल द्विवेदी ने कहा मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हमें उम्मीद से कहीं अधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आप सभी ने अमूल्य सहयोग प्रदान किया और राष्ट्र आपके साहस को सलाम करता है। मुख्यमंत्री ने निजी सुरक्षा और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में पूर्व सैनिकों की बढ़ती भागीदारी के बारे में भी बात की और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर जोर दिया।

सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस पर बोले रक्षा मंत्री

हम पूर्व सैनिकों के सम्मान में सिर झुकाते हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। आज देश 10वां सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस मना रहा है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया और जिन सैनिकों ने युद्ध के मैदान में अपने प्राण गंवाएं, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि देश अपने पूर्व सैनिकों के सम्मान में सिर झुकाता है। राजधानी दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को देश का गर्व बताया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हम भारत समेत विश्व भर में रहने वाले अपने पूर्व सैनिकों को आदरपूर्वक नमन करते हैं। हम शहादत प्राप्त उन सभी सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया। आज मुझे इस विशाल परिवार के साथ में मकर संक्रांति मनाने का अवसर मिला है।

राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, आपके लिए यह सिर्फ एक पेशा नहीं है बल्कि एक प्रतिज्ञा है जिसमें आप सभी ने राष्ट्र को अपने से ऊपर रखा है। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं क्योंकि किसी भी समाज के लिए इससे बड़ा बलिदान कुछ और नहीं होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्री के रूप में उन्हें देश सेवा करने का मौका मिला और यह मेरी सबसे संतोषजनक भूमिका रही है। उन्होंने सभी सैनिकों के समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में सेवानिवृत्ति के बाद भी अपना योगदान देते रहते हैं। इसलिए रक्षा मंत्री के रूप में आपके साथ काम करना मेरे जीवन के सबसे सुखद पलों में से एक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में भी कार्य किया है। लेकिन मुझे सबसे अधिक संतोष रक्षा मंत्री के रूप में सेवा करने से ही मिला है। इसमें सैनिकों के जीवन में आने वाली तमाम चुनौतियों का समाधान करने का सौभाग्य मिला है। राजनाथ सिंह ने कहा कि सैनिकों को हर परिस्थिति में हमेशा डट कर खड़े रहना सिखाया जाता है।

फिर हो गयी भारत और अमेरिका में दोस्ती, अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना परिचय पत्र सौंपा। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में सर्जियो गोर से उनका परिचय पत्र स्वीकार किया। बयान में कहा गया है कि गोर के अलावा त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य के उच्चायुक्त चंद्रदाथ सिंह और ऑस्ट्रिया गणराज्य के राजदूत रॉबर्ट जिस्चग ने भी राष्ट्रपति मुर्मू को अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किए। हम आपको बता दें कि गोर ने पिछले साल नवंबर के मध्य में भारत में अमेरिका के राजदूत के रूप में शपथ ली थी। अमेरिकी सीनेट ने पिछले साल अक्टूबर में उनकी नियुक्ति की पुष्टि की थी। गोर ने इस सप्ताह सोमवार को दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में अपना पद संभाला था। इससे पहले वह वह 'व्हाइट हाउस' के कार्मिक निदेशक के रूप में कार्यरत थे। पद संभालने के बाद पहले बयान में उन्होंने दोनों देशों के तनावपूर्ण संबंधों को फिर से सुधारने के इरादे का संकेत देते हुए कहा था कि अमेरिका के लिए भारत जितना आवश्यक कोई देश नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा था कि दोनों पक्ष व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत हैं।

सर्जियो गोर ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच की दोस्ती पूरी तरह वास्तविक है और यही मित्रता भारत–अमेरिका के मजबूत द्विपक्षीय संबंधों की आधारशिला है। सर्जियो गोर ने स्पष्ट किया कि उन्होंने स्वयं ट्रंप के साथ दुनिया भर में काम किया है और उनके अनुभव के आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप और मोदी के बीच व्यक्तिगत स्तर पर गहरा विश्वास और सम्मान है। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच संवाद हमेशा स्पष्ट और सीधे रहा है। राजदूत गोर ने माना कि किसी भी मजबूत साझेदारी में कभी–कभी मतभेद सामने आते हैं, विशेष रूप से व्यापार जैसे संवेदनशील मुद्दों पर। लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे मतभेद रिश्तों को कमजोर नहीं करते, बल्कि परिपक्व बातचीत के जरिये समाधान की दिशा में ले जाते हैं। उनका कहना था कि भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ताएँ जटिल जरूर हैं, लेकिन दोनों देश इन्हें सफल निष्कर्ष तक पहुँचाने के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं।

सर्जियो गोर ने भारत को अमेरिका के लिए "अत्यंत आवश्यक साझेदार" बताते हुए कहा कि वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि अमेरिका के लिए भारत जैसा भरोसेमंद और रणनीतिक सहयोगी कोई दूसरा नहीं है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि रक्षा, आतंकवाद–रोधी सहयोग, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे कई अहम क्षेत्रों तक फैले हुए हैं।

राजदूत गोर ने यह भी जानकारी दी कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर लगातार बातचीत चल रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं है, लेकिन दोनों पक्षों की मंशा सकारात्मक है और आगे बढ़ने की दिशा में काम हो रहा है।

फिल्म अभिनेता राजपाल यादव माघ मेले में पहुंचे, संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज। फिल्म अभिनेता और हास्य कलाकार राजपाल यादव बुधवार को प्रयागराज माघ मेले में पहुंचे। उन्होंने संगम में डुबकी लगाई और देव प्रभाकर शास्त्री दद्दाजी के शिविर में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण और पूजन किया। राजपाल ने कहा कि उनके जीवन में आज जो भी आचरण, व्यवहार और संस्कार है वह दद्दाजी की ही देन है। जाने माने फिल्म अभिनेता और हास्य कलाकार राजपाल यादव बुधवार को माघ मेले में पहुंचे। उन्होंने षटतिला एकादशी पर संगम में डुबकी लगाई। इसके बाद देव

प्रभाकर शास्त्री दद्दा जी के शिविर में पहुंचकर पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर पूजा अर्चन किया। अमर उजाला से बातचीत करते हुए राजपाल यादव ने कि उनके जीवन के निर्देशक दद्दा जी ही हैं। दद्दाजी ने उनके जीवन को बदल दिया। आज सनातन धर्म का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। दद्दाजी ने एक बात सिखाई थी कि देश में रहो या विश्व के किसी कोने में रहो अपना धर्म हमेशा याद रखो। राजपाल यादव ने कहा कि दद्दाजी ने जो आचरण, व्यवहार और संस्कार सिखाया है उससे जीवन बदल गया है। दद्दाजी पुत्र के समान स्नेह देते थे। मैं भी दद्दाजी को गुरु और पिता के समान प्यार करता था। मैं हर जन्म में दद्दा जी का आशीर्वाद पाना चाहता हूं। कहा कि माघ मेला में अमीर, गरीब, संत, महात्मा, योगी, संन्यासी, नागा, फकीर सबके दर्शन होते हैं। कहा कि यहां पर कोई किसी को जानता और पहचानता नहीं। सब एक दूसरे की सेवा और सहायता के लिए तत्पर हैं। हर ओर पूजन अर्चन और धार्मिक कार्य हो रहे हैं। यहां आने पर असीम सुख की अनुभूति होती है। यहां पर महापुरुषों का दर्शन होता है, जो लोगों को जीवन जीने की सीख देते हैं।

सेवानिवृत आईएएस के बेटे का फंदे से लटका मिला शव, नवंबर किया था प्रेम विवाह

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के सुलेमसराय स्थित जेपी नगर कॉलोनी निवासी सेवानिवृत आईएएस के बेटे हिमांशु अदीम (22) का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। धूमनगंज थाना क्षेत्र के सुलेमसराय स्थित जेपी नगर कॉलोनी निवासी सेवानिवृत आईएएस के बेटे हिमांशु अदीम (22) का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं

मिला है। पत्नी से विवाद के बाद आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। धूमनगंज पुलिस मामले की जांच कर रही है।

श्रीचंद्र सेवानिवृत्त आईएएस अफसर हैं। उनके दो बेटों में दूसरे नंबर का हिमांशु स्नातक का छात्र था। हिमांशु ने नवंबर 2025 में शिवानी से प्रेम विवाह किया था। हिमांशु इन दिनों कोई काम नहीं करता था। सोमवार शाम करीब पांच बजे हिमांशु के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। थोड़ी देर बाद परिजनों ने आवाज लगाई लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। खिड़की से झांककर देखा तो वह चुल्ले पर फंदे से लटका मिला। मामले की सूचना पर पहुंची धूमनगंज पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से नीचे उतारा। पुलिस जांच में घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पत्नी से कहासुनी व पारिवारिक अनबन के बाद हिमांशु के आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों से पता चला है कि घटना से पहले हिमांशु का पत्नी से मोबाइल फोन पर किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। घटना के बाद पिता श्रीचंद्र, माता निर्मला देवी, पत्नी शिवानी, बड़ा भाई सुधांशु समेत परिवार के अन्य सदस्यों का रो–रोकर बुरा हाल है। बहरहाल, पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, धूमनगंज थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों से पूछताछ में अनबन की बात सामने आई है, मामले की जांच की जा रही है।

मेजा और रामनगर सीएचसी में नहीं हैं महिला चिकित्सक

प्रयागराज। सीएचसी मेजा और रामनगर में महिला चिकित्सक नहीं हैं। जिससे मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि कई बार महिला चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए स्थानीय लोगों ने सीएमओ से मांग की है लेकिन नियुक्ति नहीं की जा रही है। मेजा के चौरासी क्षेत्र का रामनगर सीएचसी मुख्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है। यहां पर प्रतिदिन तीन से चार सौ मरीजों की ओपीडी होती है। महिला चिकित्सक डॉ. रीता द्विवेदी का तबादला सीएचसी जसरा के लिए कर दिया गया। तभी से महिला चिकित्सक का पद रामनगर सीएचसी में रिक्त पड़ा हुआ है। वहीं मेजा सीएचसी में भी महिला चिकित्सक का पद रिक्त है। मेजा खास के पंकज गुप्ता ने बताया कि कई बार अस्पताल में महिला चिकित्सकों की नियुक्ति की मांग की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई।

कई बार महिला चिकित्सक की नियुक्ति के लिए विभाग को पत्र लिखा जा चुका है। ऐसे में महिला मरीजों के इलाज में परेशानी हो रही है। –डॉ. शमीम अख्तर, अधीक्षक सीएचसी मेजा।

सरकारी अस्पताल में महिला चिकित्सकों के न रहने से महिला मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार तो ऐसा होता है सरकारी अस्पताल में पर्ची कटाने के बाद भी प्राइवेट अस्पताल में जाना पड़ता है। इसलिए महिला चिकित्सक की नियुक्ति अति आवश्यक है।– संगीता यादव रामनगर।

सीएचसी मेजा में कई माह से महिला चिकित्सक की नियुक्ति नहीं की जा सकी है। ऐसे में महिला मरीज खासा परेशान हैं। जबकि सीएचसी अधीक्षक से भी शिकायत की जा चुकी है लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। –अंतिमा शुक्ला अमोरा।

माघ मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, वाहनों के प्रवेश पर रोक

प्रयागराज। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। बुधवार को सुबह से ही संगम पहुंचने वाले सभी मार्गों पर भीड़ देखी गई। एंट्री प्वॉइंट

पर ही वाहनों को रोक दिया गया गया है। एटीएस, पुलिस और पैरामिलिट्री के जवान मेले में सघन निगरानी में जुट गए हैं। बृहस्पतिवार को मकर संक्रांति स्नान के चलते एक दिन पहले ही श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। बुधवार को भी लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई और यह क्रम लगातार जारी है।

मकर संक्रांति स्नान के लिए संगम तट पर लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। बुधवार सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी हो गया है। माघ मेले तक आने वाले सभी मार्गों पर दो पहिया और चार पहिया वाहनों का संचालन पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। एंट्री प्वॉइंट पर ही वाहनों को रोक दिया जा रहा है। मेले के बाहर बनाए गए पार्किंग में वाहनों को खड़ा किया जा रहा है। मेले में पुलिस और सुरक्षा बलों की सक्रियता बढ़ गई है।

एटीएस के साथ पैरामिलिट्री के लोग संगम समेत सभी घाटों पर निगरानी कर रहे हैं। संगम वॉच टॉवर से पूरे मेला क्षेत्र और स्नान घाटों की निगरानी की जा रही है। श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का क्रम जारी है। बुधवार को दोपहर बाद से ही सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के कारण आज भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं। फिल्म अभनेता राजपाल यादव ने भी संगम में डुबकी लगाई।

एकादशी पर उमड़ी भीड़

बुधवार को एकादशी पर संगम तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दोपहर बाद स्नान का योग होने के कारण बड़ी संख्या श्रद्धालुओं ने बुधवार को भी डुबकी लगाई। चंदौली से आए राम किशोर तिवारी ने बताया कि वह परिवार के साथ मेले में आए हैं। आज भी स्नान किया है और कल बृहस्पतिवार को भी स्नान करके बाद घर के लिए निकलेंगे।

जल पुलिस और एनडीआरएफ सक्रिय

माघ मेले में मकर संक्रांति पर उमड़ी भीड़ के मद्देनजर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के साथ जल पुलिस टीमें सक्रिय हो गई हैं। घाटों की लगातार निगरानी की जा रही है। घाटों पर गहराई वाले स्थानों को चिन्हित कर संकेतक लगाए गए हैं। घाटों को तैयार करने का कार्य बुधवार को दिन भर चलता रहा।

श्रद्धालुओं ने लिया नौका विहार का आनंद

संगम स्नान करने के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालु नौका विहार का भी आनंद ले रहे हैं। घाटों पर नौकायन के लिए प्रशासन की ओर से निर्धारित रेट लिस्ट लगाया गया है। यहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु नौका का आनंद ले रहे हैं और संगम स्नान कर रहे हैं। वीआईपी घाट पर नौकायन करने वालों की भारी भीड़ देखी जा रही है।

नाव से संगम जाकर कर रहे स्नान

बुधवार को संगम तट पर भारी भीड़ रही। प्रशासन की ओर से निर्धारित घाटों के अलावा हजारों श्रद्धालुओं ने नौका से संगम पहुंचकर स्नान किया। पक्के घाट को काफी आकर्षक तरीके से फूलों और गमलों से सजाया गया है।

सिर पर गठरी रखकर पहुंच रहे श्रद्धालु

संगम तट पर श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बुधवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का दौर शुरू हो गया। दोपहर होते–होते संगम आने वाले सभी प्रवेश मार्गों पर भारी भीड़ जमा हो गई। लाखों श्रद्धालु स्नान के बाद गंतव्य के लिए लौटे।

एंट्री प्वॉइंट पर रोके गए वाहन

बुधवार को मकर संक्रांति की भीड़ बढ़ने के बाद वाहनों का प्रवेश मेले में पूरी तरह से रोक दिया गया। सभी मार्गों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती रही। जौनपुर, लखनऊ, प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी, अयोध्या, मध्य प्रदेश, कानपुर मार्ग पर वाहनों के लिए पार्किंग बनाए गए हैं। मेले में वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से रोक दिया गया है।

पैदल चलने में छूटे पसीने

मेले मे आने वाले श्रद्धालुओं को काफी पैदल चलना पड़ा। रोडवेड बस स्टैंड को शहर के बाहर बना देने के कारण लोगों को काफी पैदल चलना पड़ा। आटो चालकों द्वारा अधिक पैसे वसूली करने के चलते लोग पैदल चलकर ही संगम पहुंचे। अंदावां की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं ने झूंसी इलाके के गंगा घाटों पर स्नान किया।

मकर संक्रांति स्नान पर्व से पहले ही मेले में 25 लाख श्रद्धालु, पार्किंग से लेकर मिल रहीं कई सुविधाएं

प्रयागराज। मकर संक्रांति स्नान पर्व से पहले ही माघ मेले में 25 लाख श्रद्धालु पहुंच गए। 12,100 फीट लंबाई में घाटों का निर्माण किया गया है। पार्किंग नजदीक बनाई गईं हैं। आवागमन सुगम बनाने के लिए गोल्फ कार्ट और रैपिडो बाइक सेवा मददगार होगी। प्रयागराज में संगम तट पर मेले का दूसरा स्नान पर्व मकर संक्रांति 15 जनवरी को है। श्रद्धालुओं को कम से कम पैदल चलना पड़े, इसके लिए घाटों के समीप ही पार्किंग की व्यवस्था की गई है। मंगलवार की शाम तक मेला क्षेत्र की पार्किंग फुल हो गईं। उधर, मेला अधिकारी ऋषिराज ने बताया कि प्रशासन ने करीब 25 लाख श्रद्धालुओं की मौजूदगी का आकलन किया है। स्नान पर्व पर दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का मेला प्रशासन का अनुमान है। पिछले माघ मेले में इस स्नान पर्व पर 28.95 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया था। इस बार पौष पूर्णिमा स्नान पर्व पर 31 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया। अब मकर संक्रांति के लिए स्नान घाटों पर विशेष व्यवस्था की गई है। मेला प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन का मेगा प्लान तैयार किया है। माघ मेला अधिकारी ऋषिराज का कहना है कि भीड़ प्रबंधन एवं सुगम यातायात के लिए इस बार 42 अस्थायी पार्किंग बनाई गई हैं जिसमें लगभग एक लाख से अधिक वाहन खड़े हो सकेंगे। माघ मेला 2025–26 में कुल 12,100 फीट लंबाई में घाटों का निर्माण किया गया है जिनमें सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं जैसे चेंजिंग रूम, पुआल, शौचालय आदि उपलब्ध हैं। गंगा में जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कानपुर के गंगा बैराज से प्रतिदिन 8000 क्यूसेक जल छोड़ा जा रहा है। प्रयागराज में दोनों नदियों में गिरने वाले सभी 81 नालों को टैप किया जा चुका है। गंगा जल की निरंतर मॉनिटरिंग हो रही है। मेला अधिकारी ऋषिराज के अनुसार, माघ मेले को खुले में शौच मुक्त, दुर्गंध मुक्त और गंगा में जीरो डिस्चार्ज के लिए लगभग 25,880 शौचालय, 11 हजार डस्टबिन, 10 लाख से अधिक लाइनर बैग, 25 सक्शन वाहन व 3300 सफाई कर्मी तैनात किए गए हैं। श्रद्धालुओं के सुगम एवं सुलभआवागमन के लिए बाइक टैक्सी और गोल्फ कार्ट की व्यवस्था की गई है। मेला पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय के अनुसार, 17 थाने व 42 पुलिस चौकियां, 20 अग्निशमन स्टेशन, सात अग्निशमन चौकियां, 20 अग्निशमन वॉच टावर, एक जल पुलिस थाना, एक जल पुलिस कंट्रोल रूम और चार जल पुलिस सब कंट्रोल रूम स्थापित किए गए ए हैं। आठ किमी से अधिक डीप वाटर बैरिकेडिंग और दो किमी रिवर लाइन (एकल दिशा मार्ग हेतु) लगाई गई है। पैरामिलिट्री फोर्स है। नगर एवं मेला क्षेत्र में पूर्व से स्थापित सीसीटीवी कैमरों के अतिरिक्त एआई युक्त कैमरों सहित 400 से अधिक कैमरों के माध्यम से भीड़ की निगरानी, भीड़ घनत्व का आकलन, घटनाओं और सुरक्षा निगरानी की व्यवस्था की गई है।

लीडर रोड से प्रवेश, सिविल लाइंस की ओर निकासी, जानें किस मार्ग से आने पर किस घाट पर करें स्नान

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर मेले के मुख्य स्नान पर्व को लेकर दो दिन श्रद्धालुओं की सुगमता से एंट्री/वापसी के लिए एकल दिशा मूवमेंट प्लान लागू रहेगा। सूबेदारगंज स्टेशन पर केवल झलवा रोड से प्रवेश (कौशाम्बी रोड) दिया जाएगा और जीटी रोड की ओर से निकासी की जाएगी। प्रयागराज में माघ मेले में किस रास्ते से एंट्री करें और कहां स्नान करें, यहां जानें।

प्रयागराज जंक्शन पर मेले के मुख्य स्नान पर्व के एक दिन पहले से लेकर दो दिन बाद तक श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की सुरक्षा एवं सुगमता से प्रवेश/निकासी के लिए एकल दिशा मूवमेंट प्लान लागू रहेगा। टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, एटीवीएम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

बृहस्पतिवार को मकर संक्रांति पर्व के मद्देनजर यह व्यवस्था 14 जनवरी से लागू होगी। जंक्शन पर केवल लीडर रोड से प्रवेश दिया जाएगा और सिविल लाइंस की ओर से निकासी की जाएगी। अनारक्षित यात्रियों को दिशावार यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।

सूबेदारगंज स्टेशन पर केवल झलवा रोड से प्रवेश (कौशाम्बी रोड) दिया जाएगा और जीटी रोड की ओर से निकासी की जाएगी। छिवकी जंक्शन पर सीओडी रोड से प्रवेश दिया जाएगा और जीईसी रोड की ओर से निकासी की जाएगी। नैनी जंक्शन पर स्टेशन रोड (प्लेटफॉर्म 1) की ओर से प्रवेश दिया जाएगा और द्वितीय प्रवेश द्वार (प्लेटफॉर्म 4) की ओर से निकासी होगी।

स्नान पर्व	स्नान की तिथि	प्रतिबंध अवधि
मकर संक्रांति	1 जनवरी 14 से 20 जनवरी तक	5
मौनी अमावस्या	1 जनवरी 14 से 20 जनवरी तक	8
वसंत पंचमी	2 जनवरी 22 से 25 जनवरी तक	3
माघी पूर्णिमा	1 फरवरी 31 जनवरी से 3 फरवरी तक	1
महाशिवरात्रि	1 फरवरी 14 से 17 फरवरी तक	5

जानें किस मार्ग से आने पर किस घाट पर करें स्नान

कानपुर, लखनऊ मार्ग से आने वाले श्रद्धालु

1. प्लॉट नंबर–17 पार्किंग

वाहन पार्क कर श्रद्धालु पैदल काली मार्ग होते हुए अपर संगम मार्ग से संगम घाट, संगम हनुमान घाट और संगम राम घाट तक पहुंच सकेंगे। स्नान के बाद अक्षयवट मार्ग, खंड़जा वापसी मार्ग होते हुए त्रिवेणी मार्ग से संबंधित पार्किंग में लौट सकेंगे।

2. गल्ला मंडी पार्किंग

काली–दो मार्ग से बेनीबांध, मोरी रैंप होते हुए किला घाट मार्ग से संगम मोरी घाट व संगम शिवाला घाट तक स्नान के लिए जा सकेंगे। वापसी ओल्ड जीटी रोड या रिवर फ्रंट मार्ग से होगी।

3. नागवासुकि पार्किंग

वाहन खड़ा कर पैदल काली मार्ग–दो मार्ग से मोरी रैंप द्वारा किला घाट मार्ग पहुंच कर संगम मोरी व संगम शिवाला घाट स्नान करेंगे। स्नान कर फिर से संबंधित पार्किंग में लौट सकेंगे।

जौनपुर/वाराणसी मार्ग से आने वाले श्रद्धालु

1. ओल्ड जीटी कछार पार्किंग

नागवासुकि मार्ग से पांटून पुल–चार और पांच के बीच बने संगम घाट पर स्नान। वापसी ओल्ड जीटी मार्ग से पार्किंग तक।

2. महुआबाग पार्किंग

जीटी रोड टीकरमाफी से त्रिवेणी मार्ग, लोवर संगम मार्ग और अक्षयवट मार्ग होते हुए संगम ऐरावत घाट तक पहुंच। वापसी महावीर मार्ग, रिवर फ्रंट व काली मार्ग से।

3. सोहम आश्रम पार्किंग

रिवर फ्रंट झुंसी मार्ग से पुल नंबर वन के दक्षिण बने संगम ऐरावत घाट पर स्नान करेंगे। वापसी महावीर मार्ग या रिवर फ्रंट झुंसी मार्ग से।

मिर्जापुर/रीवा मार्ग से आने वाले श्रद्धालु

1. देवरख कछार

पार्किंग में वाहन पार्क करेंगे। सोमेश्वर महादेव रैंप मार्ग से सोमेश्वर महादेव संगम घाट पर स्नान करेंगे।

2. गंजिया पार्किंग

अरैल घाट मार्ग से अरैल बांध रोड और अरैल रैंप द्वारा संगम अरैल घाट, संगम चंद्र माधव घाट सहित अन्य घाटों पर स्नान करेंगे।

3. नव प्रयागम पार्किंग

नव प्रयागम अप्रोच मार्ग से अरैल बांध रोड, नव प्रयागम रैंप और संकटमोचन मार्ग से संगम घाटों तक पहुंच।

पांटून पुलों की व्यवस्था

परेड से झुंसी जाने के लिए पांटून पुल संख्या तीन, पांच और सात

झुंसी से परेड आने के लिए पांटून पुल संख्या चार और छह

पांटून पुल संख्या एक और दो आपात स्थिति के लिए आरक्षित रहेंगे

विवाहित व्यक्ति का शादी का वादा कर किसी युवती से संबंध बनाने की सहमति छल है, नहीं रद्द होगा केस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विवाहित व्यक्ति किसी युवती से शादी का वादा करके संबंध बनाने के लिए सहमति पाता है तो यह छल है। भारतीय न्याय संहिता(बीएनएस) की धारा–69 के तहत यह दंडनीय अपराध है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विवाहित व्यक्ति किसी युवती से शादी का वादा करके संबंध बनाने के लिए सहमति पाता है तो यह छल है। भारतीय न्याय संहिता(बीएनएस) की धारा–69 के तहत यह दंडनीय अपराध है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की एकल पीठ ने अलीगढ़ निवासी कुलदीप वर्मा की ट्रायल कोर्ट में चल रहे मुकदमे की कार्यवाही रद्द करने की मांग खारिज कर दी। कुलदीप के खिलाफ युवती ने क्वार्सी थाने में 20 जून 2025 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि वह 11 साल से उसके साथ लिव–इन में थी। इस दौरान कुलदीप ने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। बाद में पता चला कि वह विवाहित है और उसके तीन बच्चे हैं। मामला ट्रायल कोर्ट में चल रहा था। आरोपी ने मुकदमे की कार्यवाही रद्द करने की मांग कर हाईकोर्ट में अर्जी दायर की।

अधिवक्ता ने दलील दी कि याची और युवती के संबंध आपसी सहमति से थे। पीड़िता को याची के विवाह की जानकारी थी। वहीं, कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि बीएनएस की धारा–69 विशेष रूप से शादी के झूठे वादे या अन्य छलपूर्ण साधनों से बनाए गए संबंध को अपराध घोषित करती है। कोर्ट ने प्रमोद सूर्यभान पवार बनाम महाराष्ट्र मामले का हवाला दिया। कहा, वर्तमान मामले में आरोपी पहले से विवाहित था, वह जानता था कि शादी नहीं कर सकता, जो प्रथम दृष्टया छल को दर्शाता है। यह जांच का विषय है कि क्या पीड़िता को आरोपी के विवाह के बारे में पहले से पता था या नहीं। तथ्यों और रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री को देखते हुए कोर्ट ने मुकदमे की कार्यवाही में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर मुकदमा रद्द करने की अर्जी खारिज कर दी।

प्रयागराज में बड़ा हादसा: तालाब में डूबने से एक युवक समेत चार बच्चों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

प्रयागराज। पुरामुफ्ती क्षेत्र में एक तालाब में डूबने से एक युवक समेत चार बच्चों की मौत हो गई। घटना पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र के सल्लाहपुर इलाके के कुसुआ गांव में बुधवार को हुई। मृतक युवक गांव का ही रहने वाला था। प्रयागराज में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। पुरामुफ्ती थाना इलाके के केशवपुर कुसुआ गांव में एक तालाब में डूबने से चार बच्चों की मौत हो गई। घटना बुधवार को हुई, जब गांव के ही रहने वाले एक युवक के साथ तीन बच्चे तालाब के पास खेल रहे थे। बच्चों की उम्र 10 से 11 वर्ष बताई जा रही है। बुधवार को प्रयागराज के पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र के सल्लाहपुर इलाके के कुसुआ गांव में एक दुखद घटना सामने आई। एक तालाब में डूबने से एक युवक समेत चार बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक युवक गांव का ही निवासी था, और उसके साथ तीन अन्य बच्चे भी थे।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, बच्चे तालाब के किनारे खेल रहे थे। बच्चों के कपड़े और चप्पल तालाब के पास ही पड़े मिले, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वे खेलते–खेलते अचानक तालाब में चले गए और किसी को कुछ पता नहीं चला। यह घटना घटित हुई। तालाब में चार बच्चों की डूबने से मौत के बाद कोहराम मचा हुआ है। पुलिस चौकी सल्लाहपुर पर भारी भीड़ जमा हो गई है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे हैं। परिजन बच्चों की हत्या का आरोप लगा रहे हैं।

मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत कांग्रेस ने लगाई चौपाल

प्रयागराज। मनरेगा एवं एसआईआर से जुड़ी जटिलताओं को लेकर मंगलवार को गंगापार कांग्रेस कमेटी ने मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत चौपाल लगाई। इस दौरान उन्होंने केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार को जनविरोधी और दमनकारी नीतियों के लिए जिम्मेदार बताया।

चौपाल को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि भाजपा सरकार हिंदूदृमुस्लिम, जाति और संप्रदाय के नाम पर समाज को बांटने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियां महात्मा गांधी के विचारों के विपरीत हैं और देश की जनता को यह बात समझनी होगी। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव सुनील पांडेय ने किया। इस अवसर पर सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, सूफिया बानो, उर्मिला सिंह, वेद प्रकाश बिंद, डॉ. अमर सिंह पटेल, सहाना बेगम, रवि भारतीया, हृदयानंद, उमेश कुमार आदि रहे।

शहर समता कानपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुर। शहर समता विचार मंच कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी पुष्पा सिंह के संयोजन में एवं श्रद्धा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि सीमा वर्णिका एवं विशिष्ट अतिथि डॉ०कनक लता गौर रही। यह काव्य गोष्ठी 12रू30 बजे से 2रू00 बजे तक

चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही श्रद्धा श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति शिप्रा सिंह द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन पुष्पा सिंह ने किया। इस काव्य गोष्ठी में पूनम पांडे, सुषमा सिंह उर्मि, डॉ०हेमा पांडे, डॉ०सुषमा त्रिपाठी,पुष्पा सिंह, शिप्रा सिंह, डॉ० कनक लता गौर, सुनीता गुप्ता,सीमा वर्णिका एवम् श्रद्धा श्रीवास्तव ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें जिसमें धन्यवाद ज्ञापन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया।

कृष्ण की बाल लीलाओं का मनोहारी वर्णन

थरवई, संवाददाता। मनसैता में श्रीमद्भागवत कथा के दौरान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मनोहारी वर्णन

थरवई क्षेत्र के मनसैता गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भावपूर्ण और विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया। कथा से पूर्व यजमान रमाकांत शुक्ल एवं उनकी धर्मपत्नी सुमन शुक्ल ने विधि–विधान से महाग्रंथ की आरती उतारकर कथा का शुभारंभ किया।

भागवत कथा के दौरान आचार्य ब्रजरज दास ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण हिंदू धर्म में भगवान

विष्णु के अवतार हैं। सनातन धर्म के अनुसार भगवान विष्णु सर्वपापहारी, पवित्र तथा समस्त मानव जाति को भोग और मोक्ष प्रदान करने वाले प्रमुख देवता हैं। जब–जब पृथ्वी पर असुरों और राक्षसों के पापों का आतंक बढ़ता है, तब–तब भगवान विष्णु किसी न किसी रूप में अवतार लेकर धरती का भार हरते हैं।

कथा के अनुसार भगवान विष्णु ने अब तक तेईस अवतार धारण किए हैं, जिनमें श्रीराम और श्रीकृष्ण को सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना गया है। कथावाचक ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों का विस्तार से वर्णन करते हुए उनकी बाल लीलाओं का ऐसा सजीव चित्रण किया कि श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। बाल लीलाओं का प्रसंग सुनते ही पूरा पंडाल "जय कन्हैयालाल" के जयघोष से गूंज उठा। कथा के समापन के पश्चात श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर शिवाकांत शुक्ल, अधिवक्ता जीतेंद्र शुक्ल, मीरा मिश्र, टिंकू तिवारी, मोनू शुक्ल, सत्यम, रत्नेश शुक्ल, शिवम शुक्ल, सरिता तिवारी, अंकित शुक्ल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

लोकपाल समाज शेखर ने परियोजना निदेशक व डीसी मनरेगा संग किया संवाद

पूरे फत्ते सिंह से आई पंचायत चुनाव में आरक्षण सम्बन्धी शिकायत, लोकपाल ने जिलाधिकारी को किया प्रेषित

प्रतापगढ़। लोकपाल प्रतापगढ़ समाज शेखर ने परियोजना निदेशक डी आर डी ए दयाराम यादव व उपायुक्त मनरेगा संतोष यादव के साथ मनरेगा व पी एम आवास पर चर्चा करके संवाद स्थापित किया गया। लोकपाल ने डीसी मनरेगा से डीह बलई की अपेक्षित आख्या अभी तक प्राप्त न होने व तालाबों के अधूरे कार्यो के सम्बन्ध में चर्चा की।

वहीं पीडी ने अवगत कराया की पीएम आवास के द्वितीय चरण का सर्वे अंतिम प्रक्रिया में है। शासन की गाइड लाइन अनुसार पीएम आवास के कार्य को गति दी जा रही है। लोकपाल ने डीसी मनरेगा से लोकपाल कार्यालय में अपेक्षित आवश्यक स्टाफ व आवश्यक आपूर्ति के सम्बन्ध में वार्ता की। डीसी शीघ्र समाधान करने का वायदा किया। वहीं लोकपाल के समक्ष रामपुर संग्रामगढ़ के पूरे फत्ते के अधिवक्ता चंद्रेश सरोज ने उपस्थित होकर ग्राम में पंचायत चुनाव में आरक्षण संबंधी शिकायत प्रस्तुत किया जिसे लोकपाल ने जिलाधिकारी महोदय को आवश्यक विचार व निर्णय हेतु प्रेषित किया।

सोनल अध्यक्ष, आशुतोष अध्यक्ष निर्वाचित, अंकुर उपाध्यक्ष और रोली बंसल सचिव

रोटरी मथुरा सेंट्रल की नवीन कार्यकारिणी गठित

मथुरा। अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संस्था रोटरी इंटरनेशनल से संबद्ध रोटरी क्लब मथुरा सेंट्रल की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से कर लिया गया है। यह कार्यकारिणी रोटरी वर्ष 2026दृ27 के लिए गठित की गई है, जिसका संचालन आगामी जुलाई माह से प्रारंभ होगा। रोटरी क्लब मथुरा सेंट्रल मथुरा जनपद में अपने विविध सामाजिक, शैक्षिक एवं सेवा कार्यों के लिए विशेष पहचान रखता है।

चुनाव अधिकारी सीए रोहित कपूर ने बताया कि क्लब की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी सभी पदों पर एकल नामांकन प्राप्त हुए, जिसके कारण किसी प्रकार के मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी।

सभी सदस्यों की सहमति से कुल तेरह सदस्यों की नई कार्यकारिणी निर्वाचित घोषित की गई, जो आगामी वर्ष में क्लब की गतिविधियों का नेतृत्व करेगी।

नवगठित कार्यकारिणी में सोनल अग्रवाल को अध्यक्ष, डॉ. आशुतोष शुक्ला को अध्यक्ष निर्वाचित, अंकुर कुलश्रेष्ठ को

उपाध्यक्ष तथा डॉ. रोली बंसल को सचिव चुना गया है। इसके अतिरिक्त नितिन मित्तल को संयुक्त सचिव, विवेक मित्तल को कोषाध्यक्ष तथा नितिन खंडेलवाल, नितिन भटनागर, अपूर्व अग्रवाल, श्वेता खंडेलवाल, आरती कपूर और प्रतिभा गर्ग को निदेशक नियुक्त किया गया है। शिखर अग्रवाल को सार्जेंट एट आर्म्स की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नई कार्यकारिणी के निर्वाचन पर पूर्व मंडल अध्यक्ष नीरव निवेश अग्रवाल, क्लब अध्यक्ष नरेश बर्मन, सचिव नेहा अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष केडी अग्रवाल, बीवी कालरा, प्रदीप अग्रवाल, निलेश टेंटीवाला, श्रीपाल शर्मा, उमेश गोयल, पीयूष गोयल अग्रवाल, डॉ. मुकेश जैन, कनिष्क बंसल, शरद अग्रवाल, रुचि अग्रवाल सहित अनेक वरिष्ठ सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। सभी सदस्यों ने विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी समाजसेवा और मानवीय मूल्यों को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाएगी।

भयहरण नाथ धाम में 26 वाँ महाकाल महोत्सव होगा 14 से 17 फरवरी तक

सरकार व समाज के भागीदारी से होंगे विविध आयोजन, 25 जनवरी को माघ मेला में होगी प्रबन्ध समिति की बैठक कार्यक्रम व आयोजनों को दिया जायेगा अन्तिम रूप

प्रतापगढ़। सुप्रसिद्ध पाण्डव कालीन भयहरण नाथ धाम में 26 वें महाकाल महोत्सव का भव्य आयोजन 14 फरवरी से 17 फरवरी तक गत वर्षो की भाँति परम्परा गत रूप से मनाया जायेगा। महाशिवरात्रि का विशाल मेला 15 फरवरी दिन रविवार को होगा। सभी के सहयोग और लोक भागीदारी से आयोजित महोत्सव के कार्यक्रमों व आयोजनों को अंतिम रूप 25 जनवरी को माघ मेला प्रयागराज में आयोजित प्रबन्ध समिति की बैठक में दिया जायेगा।

यह जानकारी देते हुए भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बताया कि महाकाल महोत्सव के आयोजनों ने ही धाम ही नही बल्कि बकुलाही सहित क्षेत्रीय विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। कटरा गुलाब सिंह के विकास में धाम की गतिविधियां सदैव केंद्र बिंदु रही है। इस वर्ष सबका सहयोग सबकी भागीदारी पर केंद्रित विविध कार्यक्रम व गतिविधियां आयोजित होगी. सरकारी योजना व कार्यक्रम के प्रति जन

जागरूकता परक कार्यक्रम व सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित होगी. कोई नई परम्परा नही बनाई जायेगी।

महासचिव समाज शेखर ने बताया कि जिला प्रशासन व संबंधित विभाग को अपेक्षित प्रस्ताव भेजा जा रहा है। वहीं विधायक जीतलाल पटेल व नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव, थानाध्यक्ष जेठवारा तथा चौकी प्रभारी राजीव वर्मा व सभी सभासदो ने महोत्सव व मेले के आयोजन में अपनी हर संभव सहयोग के साथ सहभागिता का संकल्प व्यक्त किया है। धाम स्थित मुख्य मन्दिर सहित सभी मंदिरों की व्यवस्था समितियों व पुजारियों की देखरेख में साफ सफाई कर्मचारियों द्वारा साफ सफाई अभियान चलाया जा रहा है. नगर पंचायत द्वारा सफाई नायक राज कुमार गौतम की देखरेख में साफ सफाई की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र को सभी से समन्वय स्थापित कर सभी कार्यो में सहयोग को कहा गया है। अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह ने सभी सदस्यों, पदाधिकारीगण व संरक्षकों से सक्रिय सहयोग व सहभागिता की अपील की है।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत काशी प्रांत का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग संपन्न

प्रयागराज। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग माघ मेला शिविर में हर्षवर्धन मार्ग पर स्थित काशी प्रांत

में संपन्न हुआ। इस अभ्यास वर्ग में प्रांत के और काशी प्रांत अंतर्गत जिलों के लगभग 39 कार्यकर्ता उपस्थित थे। अभ्यास वर्ग का प्रारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें प्रयागराज अध्यक्ष मुरारी लाल , वाराणसी अध्यक्ष शिशिर त्रिवेदी , राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमान प्रदीप चौरसिया ने भाग लिया। अभ्यास वर्ग में ग्राहक पंचायत की समाज में आवश्यकता, संगठनात्मक रचना, कार्यकर्ता, आरटीआई, उपभोक्ता संरक्षण कानून, आयाम परिचय और कार्य पद्धति पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में प्रयागराज उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र श्रीवास्तव और नागेंद्र श्रीवास्तव जी ने अपने विचार रखे। समापन अध्यक्षीय उद्बोधन प्रयागराज इकाई के अध्यक्ष मुरारी लाल अग्रवाल जी पूर्व महापौर द्वारा हुआ। धन्यवाद ज्ञापन वाराणसी इकाई के अध्यक्ष शिशिर त्रिवेदी जी ने किया। कार्यक्रम की सफल व्यवस्था के लिए कार्यकर्ताओं का सम्मान प्रांत सचिव रामेश्वर प्रसाद जोगी जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित प्रांत महिला जागरण प्रमुख रेखा , प्रांत सह सचिव आशीष गुप्ता , प्रांत पर्यावरण प्रमुख नित्या और अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पश्चिमी यूपी में शीतलहर का कहर, लखनऊ में सीजन की सबसे ठंडी सुबह

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड का सिलसिला जारी है। राजधानी लखनऊ में बुधवार को इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की। शहर में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो चार जनवरी को दर्ज छह डिग्री सेल्सियस के पिछले न्यूनतम स्तर से 0.4 डिग्री कम है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तापमान और अधिक गिर गया। मुजफ्फरनगर प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान गिरकर 2.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह सामान्य से 3.5 डिग्री कम है और बीते दो वर्षों में दर्ज किया गया सबसे कम तापमान है। मेरठ में न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री (सामान्य से 3.4 डिग्री कम), बरेली में तीन डिग्री, कानपुर शहर में चार डिग्री और हरदोई में 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रात के तापमान में गिरावट के कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शीतलहर और पाला पड़ने की स्थिति बनी हुई है, हालांकि दिन में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार बुधवार और गुरुवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में शीतलहर का असर बना रहेगा। लखनऊ में आज अधिकतम तापमान लगभग 21 डिग्री और न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

संगम पर चर्चा हुई

(कुण्डलिया)

संगम पर चर्चा हुई, था जिसका यह कथ्य।
सबकुछ है अन्तर्निहित, सौ फिसदी है सत्य।
सौ फिसदी है सत्य, रेणु की भाषा समझो।
पावन भूमि प्रयाग, जिसे समझाती सबको।
सुन लो कहें प्रदीप,पाठ पहला है संयम।
अन्तिम में है त्याग, समर्पण कहता संगम।।

अध्यापक बनकर प्रकृति, जहाँ बाँटती ज्ञान।
दुनिया उसे प्रयाग कह, गाती है गुणगान।
गाती है गुणगान, त्रिवेणी के महिमा की।
निराकार –साकार, बनाकर हरि की प्रतिमा।
सुन लो कहें प्रदीप, समर्पण हो या अर्पण।
दोनों का विस्तार, बताते हैं अध्यापक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

युवक की हत्या कर शव जलाने वाले 2 युवक गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने युवक की हत्या कर पहचान और सबूत मिटाने के लिए शव को जला दिया था। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड में प्रयुक्त चाकू, घटना में इस्तेमाल स्कूटी और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। डीसीपी साउथ ने बुधवार को इस मामले की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 9 जनवरी 2026 को भागरथी एन्क्लेव के पास एक जला हुआ शव मिला था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। बाद में मृतक की पहचान सचिन तिवारी, पुत्र स्वर्गीय श्याम तिवारी, निवासी टिकरा जुगरात, थाना नगराम, लखनऊ के रूप में हुई। मृतक के भाई विपिन तिवारी की तहरीर पर 13 जनवरी 2026 को सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसके बाद पुलिस ने जांच में तेजी लाई। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) के निर्देशन में पांच टीमें गठित की गईं। इन टीमों ने तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों का पता लगाया। पुलिस ने निहाल बाल्मीकि और करन बाल्मीकि को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक चाकू, होंडा एक्टिवा स्कूटी और दो एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मृतक सचिन तिवारी पर पहले से छह मुकदमे दर्ज थे। डीसीपी ने इस मामले को सुलझाने वाली पुलिस टीम को पच्चीस हजार का इनाम देने की घोषणा की है।

उत्तर मध्य रेलवे
ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 01/2026 दिनांक: 13.01.2026
ई-प्रापण निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।
निविदा संख्या: 19257240 | ई.एम.डी. (रु.): ₹ 444290/-
विवरण: WAP-7 लोको के लिए 2x500KVA IGBT आधारित होटल लोड कन्वर्टर। CLW विनिर्देश संख्या CLW/ES/3/IGBT/0490 (ALT-D) REV-1 दिनांक दिसंबर-2017 या नवीनतम और RDSO STR संख्या RDSO/2013/EL/STR/0080, REV'0' या नवीनतम के अनुसार।
मात्रा: 02 सेट | निविदा खुलने की तिथि: 11.02.2026
नोट:- (1) उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। [illegible]
75/26(A)
North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

माघ मेला 2026
आवश्यक सूचना
रेल यात्रियों/ श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सहायता हेतु महत्वपूर्ण जानकारी
यह जरूर करें
[illegible]
यह बिल्कुल न करें
[illegible]
माघ मेला रेलवे टोल फ्री नंबर 1800 4199 139
UTS on Mobile App
उत्तर मध्य रेलवे
69/26 (C)

सम्पादकीय.....

जानलेवा सड़कें

देश में आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सरकार और समाज के स्तर पर चिंताएं तो व्यक्त की जाती हैं लेकिन इन्हें रोकने के लिये कारगर उपाय सिरे चढ़ते नजर नहीं आते। इस बारे में बार–बार वायदे किए जाते हैं, वहीं सुधार के लिये टुकड़ों–टुकड़ों में हस्तक्षेप किया जाता है। फलतरू परिणाम वही ढाक के तीन पात रहता है। यह आंकड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में हर साल 1.6 लाख से अधिक मौतें सिर्फ सड़क दुर्घटनाओं में होती हैं। विडंबना देखिए कि किसी भी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के मुकाबले सड़क दुर्घटनाएं ज्यादा लोगों की जान ले लेती हैं। हाल ही में सेव लाइफ फाउंडेशन द्वारा सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के लिये किए गए सर्वेक्षण में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। संस्था द्वारा वर्ष 2023 व 2024 में 100 जिलों में सड़क दुर्घटनाओं पर किए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट में कहा गया है कि शाम छह बजे से रात नौ बजे तक समय सड़क हादसों के लिये सबसे घातक होता है। इसके अलावा दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने के लिये 18 सड़क गलियारों की पहचान की गई है, जिनमें सर्वेक्षण अवधि में सबसे अधिक मौते हुई थीं। इसके साथ ही दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील सौ जिलों में ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया गया है। निश्चित रूप से यह स्वागत योग्य पहल है। यह जानते हुए कि दुर्घटना रोकने के लिये सामान्य सलाह और एक समान नीतियां लक्ष्य हासिल करने में विफल रही हैं। यकीनी तौर पर दुर्घटना उन्मुख क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप बदलाव लाने के लिये बेहतर दृष्टिकोण साबित हो सकता है। बहुत संभव है कि एक खराब ढंग से डिजाइन किया गया मोड़, सड़क पर पर्याप्त रोशनी का न होना, प्रवर्तन में शिथिलता तथा ड्राइविंग में लापरवाही की आदतें, किसी क्षेत्र या जिला विशेष में सड़क दुर्घटनाओं की वजह हो सकती है। निश्चित तौर पर उच्च मृत्यु दर वाले गलियारों का मानचित्रण अधिकारियों को, उन क्षेत्रों में इंजीनियरिंग सुधार, प्रवर्तन और आपातकालीन प्रतिक्रिया बल तैनात करने में सहायक हो सकता है। निस्संदेह, साक्ष्य और अतीत के अनुभव बताते हैं कि लक्षित प्रवर्तन बेहतर परिणाम दे सकता है। बंगलुरू का अनुभव बताता है कि लक्षित प्रयासों से वहां लगातार दूसरे वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के बावजूद मृत्यु दर में कमी आई है। जो इन प्रयासों की सार्थकता को दर्शाता है। निस्संदेह, अन्य शहरों को भी डेटा आधारित पुलसिंग, सीसीटीवी निगरानी और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखने के लिये इस मॉडल को अपनाना होगा। इसमें दो राय नहीं कि केंद्र सरकार की योजना तभी सफल होगी, जब वह पहचान और प्रतीकात्मकता से आगे बढ़कर काम करे। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सड़क सुरक्षा से जुड़ी पिछली कोशिशें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल न होने से विफल रही हैं। इन सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन में व्याप्त कमियों को दूर करने के लिये निरंतर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने, कार्यान्वयन एजेंसियों की जवाबदेही तय करने के साथ ही परिणामों का नियमित ऑडिट करना आवश्यक है। इस बाबत सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्यों को कार्रवाई करने के लिये सशक्त बनाया जाना चाहिए। वैसे सिर्फ राजमार्गों पर ही ध्यान केंद्रित करने के भी कई खतरे हैं। यह जानते हुए कि देश में राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क नेटवर्क का मुश्किल से 2 से तीन प्रतिशत हिस्सा ही है। लेकिन ट्रैफिक की गति की तीव्रता के चलते इन पर होने वाली मौतों की संख्या कहीं ज्यादा है। साल 2025 की पहली छमाही ही में करीब छब्बीस हजार से अधिक मौतें हुई हैं। वास्तव में शहरी सड़कें, जहां पैदल यात्री,साइकिल चालक और दोपहिया वाहन चालकों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या का बड़ा हिस्सा है, वे अक्सर उपेक्षित रह जाती हैं। इन सड़कों को बेहतर बनाने के लिये निवेश बढ़ाए जाने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षित डिजाइन तैयार करने, वाहनों की गति का प्रबंधन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट बांधना सुनिश्चित करने तथा आपातकालीन देखभाल व्यवस्था को साथ–साथ लागू करने की भी आवश्यकता है।

अमेरिका की निगाह ईरान पर

ईरान में दिसंबर 2025 के आखिरी दिनों में आर्थिक संकट से भड़का आंदोलन अब सत्ता के खिलाफ खुले विद्रोह में बदल चुका है। ईरान की सड़कों पर इस समय भयावह है। एक तरफ सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ सड़कों पर उबाल जारी है, तो वहीं प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी करार देते हुए उन्हें कुचला जा रहा है। लेकिन यह केवल आंतरिक हिंसा नहीं है, बाहर से अमेरिका इस आग में घी डालने का काम लगातार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप भले खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे योग्य मानें, असल में वे युद्ध अपराधों और मासूमों की जान लेने के दोषी ठहराए जाने चाहिए। वेनेजुएला पर तो ट्रंप अपना दावा ठोंक ही चुके हैं, अभी उन्होंने एक तस्वीर भी जारी की है, जिसमें वो खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति दिखा रहे हैं। किसी देश की संप्रभुता और सम्मान के साथ ऐसा मजाक आधुनिक सभ्यता में नहीं किया जा सकता। लेकिन ट्रंप सभ्यता, कूटनीति और नैतिकता के तकाजों को मानते ही नहीं हैं। उन्हें केवल मुनाफे की परिभाषा समझ आती है। ट्रंप ने वेनेजुएला के बाद ग्रीनलैंड हड़पने की चेतावनी दी है। उत्तर अमेरिका और आर्कटिक के बीच बसा ग्रीनलैंड ट्रंप को अपने लिए सामरिक महत्व का लगता है, लेकिन केवल इस वजह से उस पर कब्जे की इज्जत नहीं दी जा सकती। ग्रीनलैंड डेनमार्क का अर्द्धस्वायत्त वाला देश है, यहां के लोग खुद अपना शासन चलाते हैं लेकिन विदेश नीति और सेना डेनमार्क के पास है। डेनमार्क ने साफ चेतावनी दी है कि अगर ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई की, तो नाटो खत्म हो जाएगा। फ्रांस, इटली, जर्मनी जैसे बाकी देश भी अब ट्रंप से सावधान हो चुके हैं। जब अमेरिका की पूंजीवादी विस्तारवादी नीति एशिया या अफ्रीका के देशों को अपनी चपेट में लेती रही, तो ये यूरोपीय देश लोकतंत्र और उदारवाद के नाम पर अमेरिका का साथ देते आए। मगर अब खुद उन पर आंच आनी शुरु हुई तो उन्हें समझ आ रहा है कि–लगेगी आग तो आएंगे घर कई जद में, यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है।। –राहत इंदौरी। बहरहाल, यूरोपीय देशों को जो खतरा अब दिख रहा है, ईरान से उसे पहले ही भांप लिया था। हालांकि इसमें ईरानी शासन की अपनी खामियां भी हैं, लेकिन उसे अपने स्तर पर सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए, न कि इसमें बाहरी ताकतों का दखल होना चाहिए। इस समय ईरान में आर्थिक संकट से खड़े हुए आंदोलन के बाद तख्तापलट का खतरा बढ़ गया है। पिछले साल 28 दिसंबर को शुरू हुए जनआंदोलन में अब तक 5 सौ से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं और 10 हजार से ज्यादा लोग बंदी बनाए गए हैं। 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद 47 साल में ऐसा आंदोलन कभी नहीं देखा गया। हालांकि इस बीच महसा अमीनी की मौत के बाद महिला अधिकारों को लेकर 2022 में आंदोलन हुआ था, लेकिन उसकी प्रकृति अलग थी।इन विरोध प्रदर्शनों पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि आतंकवादियों ने न केवल नागरिकों बल्कि सुरक्षा बलों को भी निशाना बनाया है, जिनका उद्देश्य देश को अस्थिर करना है। उनका यह भी कहना है कि सुरक्षाबलों ने जरूरत पड़ने लायक ही कार्रवाई की है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा जाता है, तो वह जोरदार हमला करेंगेश। ट्रंप ने कहा कि वह श्वहीं चोट देंगे, जहां सबसे ज्यादा दर्द होगाश। यह सड़कछाप भाषा ईरान का तेल हथियाने और उसके परमाणु कार्यक्रम बंद कराने के लिए है। पिछले साल इजरायल के जरिए एक बार यह कोशिश अमेरिका कर चुका है। इस बार ईरान के लोगों का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। ट्रंप ने साफ कहा है कि अमेरिका ईरानी शासन का विरोध करने वालों की मदद के लिए तैयार है। हालांकि ईरान ने इसके जवाब में कहा है कि अगर ऐसा होगा, तो वो क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगियों और उसके हितों पर हमला करेगा।इस बीच, ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी ने प्रदर्शनकारियों से सड़कों पर डटे रहने की अपील की है। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद रेजा पहलवी के पिता द्ध शाह पहलवी को सत्ता से हटा दिया गया था। अब द्ध पहलवी निर्वासन में रहकर आंदोलन को नेतृत्व करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बार पहलवी परिवार की वापसी की मांग वाले नारे भी सुने जा रहे हैं, इससे संकेत मिल रहे हैं कि कहीं ईरान में अपनी पिट्ठू सरकार बनाने की तैयारी तो अमेरिका की नहीं है।इधर ईरान में प्रदर्शन रोकने के लिए सरकार ने इंटरनेट ब्लैकआउट का सहारा लिया है, लेकिन यह कितना कारगर होगा, कहा नहीं जा सकता। अयातुल्लाह खामेनेई को सबसे पहले आर्थिक संकट दूर करने के उपाय तलाशने होंगे। ईरान की कमाई का सबसे बड़ा जरिया कच्चा तेल है। लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पहले से ही ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। इससे ईरानी मुद्रा रियाल काफी गिरकर एक डॉलर के मुकाबले 14 लाख रियाल तक पहुंच चुकी है। प्रतिबंधों के कारण ईरान अन्य जरियों से अपना तेल सस्ते में बेचने पर मजबूर है। खरीदारों को आकर्षित करने के लिए अक्सर कार्गो पर छूट दी जाती है, फिर तेल को बिचौलियों और गुमनाम फर्मों के माध्यम से ले जाया जाता है। इन्हें अनाधिकृत टैंकरों में भरकर समुद्र के बीच में जहाज–से–जहाज ट्रांसफर जैसी जुगाड़ वाली तरकीबों से बेचा जाता है, इस वजह से काफी सस्ते में सौदा करना पड़ता है।ईरान ओपन डेटा के मुताबिक मार्च 2025 तक एक साल के दौरान ईरान ने तेल निर्यात से लगभग 23.2 बिलियन डॉलर कमाए। यही तेल अगर वैध तरीकों से बिकता तो 28 बिलियन डॉलर से अधिक की आय ईरान को हो सकती थी। अमेरिकी और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण ईरान की जीडीपी में हर साल 0.6. प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं करीब 1 करोड़ ईरानी गरीबी का शिकार हैं। ये सारे आंकड़े 2020 तक के हैं, इसके बाद छह सालों में हालात और बिगड़ चुके हैं। आर्थिक संकट बर्दाश्त से बाहर हुआ तो लोग सड़कों पर उतर आए और अब अमेरिका को दखल का मौका मिल रहा है। उसे रोकने के लिए ईरान सरकार जल्द से जल्द आर्थिक सुधार लागू करे और साथ ही धार्मिक कट्टरता कम करके उदार और प्रगतिशील साथियों की मदद ले, उसी से पूंजीवादी गिद्धों को दूर रखा जा सकेगा।

पंजाब में गैंगस्टरों का उदय

निजीश एन

2026 के सिर्फ पहले हफ्ते में, पंजाब में लगातार 4 टारगेटेड किड्क्षलग हुईं, जो राज्य में मुश्किल हिंसा के जमे हुए पैटर्न के लगातार बने रहने और बढने तथा कानून–व्यवस्था में गंभीर कमियों को दिखाती हैं। हमलावरों का साफ तौर पर बेखौफ होना, खालिस्तान समर्थक चरमपंथी तत्वों, नारकोटिक्स की तस्करी और स्थानीय राजनीतिक दुश्मनी से जुड़े ट्रांसनैशनल ऑर्गेनाइज्ड क्राइम और गैंगस्टर नैटवर्क की बढ़ती हिम्मत को दिखाता है। 5 जनवरी, 2026 को, गगनदीप सिंह, जो बाऊंसर के तौर पर काम करने वाले एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी थे और जगराओं की 'आप' विधायक सरवजीत कौर के करीबी रिश्तेदार थे, को जगराओं में मानुके गांव के बाहरी इलाके में अनाज मंडी के पास एक खेत में हथियारबंद हमलावरों ने गोली मार दी। शुरुआती जांच से पता चलता है कि हत्या दुश्मन ग्रुप्स के बीच झगड़े के बाद हुई। 4 जनवरी, 2026 को, 'आप' सरपंच जरमल सिंह को अमृतसर जिले में अमृतसर–अटारी रोड पर वेरका के पास एक रिजॉर्ट में भीड़ भरे शादी समारोह के दौरान 2 बिना मास्क वाले हथियारबंद हमलावरों ने गोली मार दी। उनको एक साल से ज्यादा समय से विदेश में रहने वाले गैंगस्टर प्रभ दासुवाल से जबरन वसूली की धमकियां मिल रही थीं। 3 जनवरी, 2026 को, कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्त्ता उमरसिर सिंह को मोगा जिले के ड्क्षभडर कलां गांव में अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने गोली मार दी। इससे पहले, 2 जनवरी, 2026 को, हेमप्रीत कौर, एक एन.आर.आई., जो लगभग एक महीने पहले विदेश से लौटी थी, की कपूरथला जिले में दो मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने टारगेटेड हमले में गोली मारकर हत्या कर दी।

खास बात यह है कि 2016 में इस पैटर्न के फिर से शुरू होने के बाद से, 8 साल (2008–2015) के बाद, 2025 में पंजाब में टारगेटेड किलिंग की सबसे ज्यादा संख्या दर्ज की गई है, जिसमें ज्यादातर घटनाएं विदेशों में मौजूद गैंगस्टर सिंडिकेट और कट्टरपंथी खालिस्तानी तत्वों से जुड़े ट्रांसनैशनल क्राइम नैटवर्क से जुड़ी हैं। खालिस्तान एक्सट्रीमिज्म मॉनिटर (के.ई.एम.) के डाटा से पता चलता है कि पंजाब में गैंगस्टर या आतंक से जुड़ी ये मौतें हुईं–2016 में 3 (सभी आम नागरिक, टारगेटेड किलिंग), 2017 में 6 (सभी आम नागरिक, टारगेटेड किड्क्षलग), 2018 में 3 (आतंकवादी हमले में आम नागरिक मारे गए), 2019 में 2 (एक ब्लास्ट में दो आतंकवादी मारे गए), 2020 में 2 (आम नागरिक, टारगेटेड किड्क्षलग), 2021 में 1 (ब्लास्ट में आतंकवादी मारा गया), 2022 में 3 (आम नागरिक, टारगेटेड किलिंग), 2023 में 6 (3 आम नागरिक और 3 गैंगस्टर, सभी टारगेटेड किलिंग), 2024 में 9 (7 आम नागरिक और 2 गैंगस्टर–8 टारगेटेड किलिंग और एक इंटर–गैंग वॉर) और 2025 में तेजी से बढ़कर 31 (19 आम नागरिक, 3 आतंकवादी और 9 गैंगस्टर, जिनमें 21 टारगेटेड किलिंग) शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर टारगेटेड किलिंग एक कमांड–एंड–कंट्रोल स्ट्रक्चर को दिखाती हैं, जो उत्तर भारत में लोकल और मिड–लैवल गैंग के ऑपरेटिव को अमरीका, कनाडा, यूरोप, लातिन अमरीका, मिडल ईस्ट और साऊथ–ईस्ट एशिया से ऑपरेट करने वाले विदेश में मौजूद गैंग लीडर्स के साथ–साथ पाकिस्तान की आई.एस.आई. के सपोर्ट वाले गैंगस्टर्स और आतंकवादियों से जोड़ता है। 2016–17 के दौरान, ऐसी हिंसा में मुख्य रूप से गैर–सिख धार्मिक नेताओं और खालिस्तान विरोधी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया जा सके और अलगाववादी भावना को फिर से जगाया जा सके। हाल के सालों में, खासकर 2022 में गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद, टारगेट प्रोफाइल में एन.आर.आई., व्यापारी और बिजनैसमैन, कबड्डी प्लेयर जैसे खिलाड़ी और पंजाबी गायक शामिल हो गए हैं, जो इन क्रिमिनल–टैररिस्ट नैटवर्क के अंदर बड़े पैमाने पर 'एक्सटॉर्शन रैकेट' की बढ़ती केंद्रीयता को दिखाता है।

31 दिसम्बर, 2025 को, पंजाब के डी.जी.पी. गौरव यादव ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ असीम मुनीर और आई.एस.आई. पर गैंगस्टरों और आतंकवादियों को हथियार सप्लाई करके राज्य को अस्थिर करने की नई साजिशें रचने का आरोप लगाया।

ग़ज़ल

प्रेम का , पर्व का ,रंग का , रास का।
आपका आगमन हर्ष उल्लास का।।

सभ्यताओं के हर द्वंद्व ने ही किया।
वक्ष छलनी किसी आस विश्वास का ।।

धर्म रक्षार्थ हरि सारथि बन गए।
राम ने चुन लिया मार्ग वनवास का ।।

घास की रोटियाँ ही बता पाएँगी ।
कैसे उज्ज्वल हुआ पृष्ठ इतिहास का।।

हे महासागरो, सिंधु, रत्नाकरो!
मूल्य समझोगे क्या तुम मेरी प्यास का ।।

प्रेम–सम्वाद से ही जुड़ा रह सका ।
कोई सम्बन्ध हो,दूर का पास का ।।

– डॉ०अवनीश यादव
पी०ई०एस०
(प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग),
उत्तर प्रदेश

उलझन में मकर संक्राति

मकर संक्रांति हमारे देश का एक प्रमुख त्योहार ही नहीं महत्वपूर्ण अवसर भी है। इस दिन सूर्यदेव दक्षिणायन से उत्तरायण की तरफ गति करते हैं। अर्थात सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं। यह बहुत ही शुभ समय माना जाता है। इस दिन खिचड़ी का दान बहुत ही फलदायी माना जाता है। आमतौर पर 14 जनवरी को यह संयोग होता है लेकिन इस बार 14 जनवरी को मकर संक्रांति के साथ–साथ षटतिला एकादशी भी पड़ रही है। एकादशी पर चावल खाने से परहेज किया जाता है। इतना ही नहीं चावल का दान भी नहीं करना चाहिए। सवाल यह है कि अगर खिचड़ी दान न करें तो क्या दान करें? इसीलिए ज्यादातर लोग 15 जनवरी को खिचड़ी भोज और खिचड़ी दान का आयोजन कर रहे हैं। वे इसका कारण यह बताते हैं कि एकादशी के दिन चावल को हाथ तक नहीं लगाना चाहिए। ज्योतिषाचार्य का कहना है कि एकादशी के दिन चावल का दान करने से पुण्य नहीं मिलता है। कुछ ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि अन्न दान करने के साथ गर्म कपड़े जैसे कंबल, स्वेटर आदि गरीबों को दान कर सकते हैं। तिल, गुड़ के साथ गेहूं, जई, बाजरा और अन्य अनाज दान किये जा सकते हैं। ज्योतिषाचार्यों ने हालांकि यह भी सुझाव दिया है कि 15 जनवरी को मकर संक्रांति मनाते हुए खिचड़ी खाएं और दान करें। द्वादशी पर चावल दान शुभ माना जाता है। बहरहाल, इस बार मकर संक्राति ने लोगों को उलझन में डाल रखा है। विभिन्न राशियों पर मकर संक्रांति का प्रभाव ज्योतिष शास्त्रियों के अनुसार इस प्रकार पड़ेगा।

इस साल 14 जनवरी को दोपहर करीब 3 बजकर 15 मिनट भारतीय समयनुसार सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेंगे और इस दिन एकादशी तिथि भी पड़ रही है। एकादशी आंतरिक शुद्धि से जुड़ा है और मकर संक्रांति के साथ इसका शुभ संयोग और भी खास बन जाता है एक ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि, जैसे ही सूर्य का मकर राशि में प्रवेश होगा, जो शनि के अधीन है, अनुशासन, जिम्मेदारी और कर्मिक जवाबदेही के विषय प्रमुख हो जाते हैं।

मेष राशि वालों के लिए संक्रांति जीवन में ठहराव का संदेश देता है। ऐसा इसलिए ताकि आप जल्दबाजी के चक्कर में नुकसान न कर बैठें। नेतृत्व कर्ता के रूप में अपनी भूमिका बनाने की कोशिश करें। इसके लिए रोजमर्रा की छोटी–छोटी जिम्मेदारियों से बचने की सलाह है। इस बात को याद रखें कि, किसी भी काम में जल्दबाजी के परिणाम से बचें, निरंतर मेहनत करते रहे सफलता जरूर मिलेगी।

वृषभ राशि के लिए मकर संक्रांति का प्रभाव स्थिरता से भरा साबित हो सकता है। अल्पकालिक के बजाय दीर्घकालिक चीजों के बारे में सोचेंगे तो सब कुछ सरल होता चला जाएगा।

जीवन में धैर्य रखना धन, ज्ञान और भविष्य की योजनाओं के लिए जरूरी है। जब जीवन सरल होता है, तो आप भावनात्मक रूप से ज्यादा स्थिर अनुभव करते हैं। यह समय मार्गदर्शन बदलने का नहीं बल्कि उन चीजों पर ध्यान देने का है, जो पहले से बेहतर चल रही है।

मिथनु राशि वालों के लिए यह संक्रांति रुककर सोचने का मौका देती है। इस दौरान पुरानी बातचीत, आधे–अधूरे फैसले मन पर हावी हो सकते हैं। रिश्तों के प्रति जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। इस दौरान मन को शांत रखें।

कर्क राशि वाले सामान्य से अधिक संवेदनशील महसूस करेंगे, लेकिन इसके पीछे एक वजह है। इससे आपको ये समझने में सहायता मिलेगी कि, सीमा कहां तक है। रिश्तों में ईमानदारी की आवश्यकता है। अपनी भावनाओं को नियंत्रण में रखें। सिंह राशि के जातकों के लिए यही सलाह है कि, लोगों की प्रशंसा पर ध्यान देने की बजाए अपनी जिम्मेदारियों को समझें। आपको ऐसा लग सकता है कि, आपकी मेहनत को तुरंत पहचान न मिलें, लेकिन यह ज्यादा समय तक नहीं टिकेगा। अपनी दिनचर्या, आदतों और सेहत का विशष ध्यान दें। कन्या राशि वाले जीवन में शांत और स्थिर रहकर सब कुछ हासिल कर सकते हैं। इस दौरान स्वाभाविक रूप से चीजों को व्यवस्थित और बेहतर करने का मन बना सकते हैं। छोटे लेकिन नियमित बदलावों से व्यक्तित्व में बेहतर सुधार देखने को मिल सकता है।

हर चीज के बारे में सोचना बंद कर दें, ऐसा करने से हल्का महसूस करेंगे। हर चीज को ठीक करने के बजाए उसे स्वीकार करना सीखें।

तुलाराशि वाले रिश्तों को अस्पष्ट न होने दें, पार्टनर के साथ संतुलन बनाकर चलना सीखें। वित्तीय और भावनात्मक दोनों तरह के फैसले सोच–समझकर लें। भले ही शुरुआत में चीजें अजीब लग सकती हैं लेकिन अपनी अपेक्षाओं को स्पष्ट करना सीखें। वृश्चिक राशि वाले इस मकर संक्रांति काफी कुछ महसूस कर सकते हैं। अतीत की यादों से लेकर ऐसे पल जिन्हें याद करके मन दुखी हो सकता है। इन विचारों से पार पाने के लिए इन्हें स्वीकारें और जाने दें।

आपके लिए अकेले रहना, खुद की चीजों पर विचार करना और ईमानदारी अपनाना फायदेमंद साबित हो सकता है। इस समय शांति और संयम को प्राथमिकता दें। धनु राशि वालों ब्रह्मांड आपके विचारों और कार्य करने के तरीकों पर नजर रख रहा है। हो सकता है कि आप उन लक्ष्यों के प्रति संदेह करने लगें जिनके बारे में आप पहले पूरी तरह आश्वस्त थे। आपके लिए ये समय असफलता का नहीं, बल्कि सुधार का समय है।

`अम्मा' के खौफ से सिहराए दर्शक, मर्दानी 3 में मल्लिका प्रसाद की खतरनाक एंट्री

> मुझे खुशी है कि स्क्रिप्ट और अभिराज ने इस कहानी को आसान काले-सफेद नजरिए से दूर रखा और अम्मा को गहराई और आयाम दिए।

'अम्मा' को लेकर दर्शकों की जिज्ञासा और उत्साह से अभिभूत हूँ, मर्दानी 3 की खौफनाक विलेन मल्लिका प्रसादयश राज फिल्म्स ने हाल ही में मर्दानी 3 का ट्रेलर रिलीज किया और रिलीज के साथ ही यह सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गया। जहां एक ओर दर्शक एसीपी शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में रानी मुखर्जी की दमदार वापसी को लेकर उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर फिल्म की नई और भयावह विलेन 'अम्मा' ने दर्शकों को गहरे स्तर पर झकझोर दिया है। इस किरदार को अभिनेत्री मल्लिका प्रसाद ने निभाया है, जिनकी सशक्त स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी है। मर्दानी फ्रैंचाइजी हमेशा से अपने सशक्त सामाजिक विषयों और यादगार खलनायकों के लिए जानी जाती रही है। मर्दानी 3 में भी यह परंपरा बरकरार है। ट्रेलर रिलीज के बाद बीते 24 घंटों में सोशल मीडिया पर 'अम्मा' को लेकर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। डर, नफरत और असहजताकृदर्शकों की भावनाएं खुलकर सामने आ रही हैं। खास तौर पर मल्लिका प्रसाद द्वारा निभाए गए इस किरदार की तीव्रता, क्रूरता और मनोवैज्ञानिक गहराई की जमकर सराहना की जा रही है। फिल्म में 'अम्मा' एक खतरनाक मानव तस्करी रैकेट की मास्टरमाइंड है, जो एसीपी शिवानी शिवाजी रॉय के साथ एक भीषण टकराव की नींव रखती है। दर्शकों का मानना है कि अम्मा का यह कच्चा और असहज कर देने वाला चित्रण फ्रैंचाइजी को एक नई, और भी ज्यादा सिहरन पैदा करने वाली दिशा में ले जाता है।"मर्दानी 3 मेरे करियर के सबसे निर्णायक अनुभवों में से एक है। अम्मा एक बुरी इंसान है, लेकिन उसके भीतर एक उग्र और जटिल आत्मा है। इस किरदार को जीवंत करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही। ऐसे रोल आपको अपनी सुविधाओं से बाहर निकलने, अपने भीतर के अंधेरे का सामना करने और खुद के साथ पूरी ईमानदारी से खड़े होने के लिए मजबूर करते हैं।""अम्मा ने मुझे उन तरीकों से चुनौती दी, जिनकी मैंने कभी कल्पना नहीं की थी। मैंने इस पूरी प्रक्रिया का भरपूर आनंद लिया और इस अवसर के लिए मैं बेहद आभारी हूं।" "अभिराज का दिल से धन्यवाद,उनके भरोसे, सौम्य स्वभाव और अडिग विजन के लिए। यश राज फिल्म्स और आदित्य चोपड़ा सर की मैं गहराई से आभारी हूं जिनके विश्वास ने मुझे अम्मा जैसे जटिल किरदार को पूरी स्वतंत्रता के साथ गढ़ने का मौका दिया। शानू शर्मा का भी विशेष धन्यवाद, जो मेरे इस सफर का अहम हिस्सा हैं।""पूरी कास्ट और क्रू असाधारण प्रतिभा, अनुशासन और समर्पण से भरी हुई है। उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। सेट पर हर दिन जाना एक सुखद अनुभव था। मर्दानी फ्रैंचाइजी असहज सच्चाइयों का सामना करने और जरूरी संवाद शुरू करने की एक सशक्त विरासत रखती है, और उस यात्रा का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है।""शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में रानी मुखर्जी एक बार फिर शानदार हैं। वह उन असली महिलाओं की कहानियों को सामने लाती हैं, जो अकल्पनीय अपराधों से लड़ रही हैं। उन्हीं अनसुनी नायिकाओं की वजह से मैं अम्मा के अंधेरे को पूरी सच्चाई के साथ टटोल पाई हूं।""मैं आभारी हूं कि अम्मा का किरदार मुझे उस जटिल महिला की परतों को समझने का मौका देता है, जो समाज के अंधेरे अंडरबेली में रहती है। मुझे खुशी है कि स्क्रिप्ट और अभिराज ने इस कहानी को आसान काले–सफेद नजरिए से दूर रखा और अम्मा को गहराई और आयाम दिए। ट्रेलर को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स मेरे लिए अभिभूत कर देने वाला है। दर्शकों की जिज्ञासा और उत्साह मुझे विनम्र बनाता है। मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि दर्शक अम्मा की दुनिया में कदम रखेंकृक्योंकि वह जैसी दिखती है, वैसी है नहींश और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।"अभिराज मिनावाला के निर्देशन में और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित मर्दानी 3 सामाजिक रूप से प्रासंगिक सिनेमा की अपनी मजबूत परंपरा को आगे बढ़ाती है। जहां मर्दानी ने मानव तस्करी की भयावह सच्चाई को उजागर किया था और मर्दानी 2 ने एक सीरियल अपराधी की विकृत मानसिकता को दिखाया, वहीं मर्दानी 3 समाज की एक और क्रूर सच्चाई में गहराई से उतरने के लिए तैयार है। मर्दानी 3 30 जनवरी 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पवन सिंह के शो में मची भगदड़, बेकाबू हालात को संभालने के लिए पुलिस ने बरसाई लाठियां

भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह अक्सर किसी न किसी विवाद को लेकर अक्सर सुखियों में रहते हैं। कभी उनका कोई विवादित वीडियो तो कभी कोई फैमिली संग इश्यू, उन्हें खबरों में बनाए रखता है। वहीं, हाल ही में फिर पवन सिंह खबरों में आ गए हैं और वजह है उनके शो में हुआ हंगामा। हाल में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर महोत्सव में पवन सिंह की एक झलक पाने के लिए लाखों लोग इकट्ठा हो गए और हालात बेकाबू हो गए। 12 जनवरी की रात गोरखपुर महोत्सव के दूसरे दिन पवन सिंह स्टेज शो के लिए पहुंचे थे। इस दौरान मंच पर उनके साथ एक्टर और सांसद रवि किशन भी मौजूद थे। जैसे ही पवन सिंह की एंट्री हुई, दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। लोग स्टेज के करीब आने की कोशिश करने लगे, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। कार्यक्रम के दौरान पवन सिंह के जन्मदिन का केक भी काटा गया, लेकिन इसी दौरान भीड़ पूरी तरह बेकाबू हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को मजबूरन लाठीचार्ज करना पड़ा। लाठीचार्ज के बाद वहां अफरा–तफरी मच गई और लोग इधर–उधर भागने लगे। भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, जिसमें कई लोग एक–दूसरे पर गिरते नजर आए। वायरल हो रहे वीडियो में टूटी हुई कुर्सियां और अस्त–व्यस्त व्यवस्था साफ देखी जा सकती है। बताया जा रहा है कि इस भगदड़ में महिलाओं और बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। गोरखपुर महोत्सव के इस पूरे घटनाक्रम के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। फैंस जहां एक ओर पवन सिंह की लोकप्रियता की तारीफ कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर सवाल भी उठा रहे हैं। कई यूजर्स का कहना है कि इतनी बड़ी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा इंतजाम और मजबूत होने चाहिए थे। काम की बात करें तो पवन सिंह हाल ही में नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहे 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में भी नजर आए थे। इस शो में वह मनोज तिवारी और दिनेश लाल यादव निरहुआ के साथ पहुंचे थे। शो के दौरान तीनों कलाकारों की मजेदार बातचीत और मस्ती ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था।

बहन की शादी से लौटते वक्त चढ़ा कृति का पारा, पैपराजी ने की बॉयफ्रेंड संग कैप्चर करने की कोशिश तो एक्ट्रेस ने दिखाए तेवर

एक्ट्रेस कृति सेनन हाल ही में अपनी छोटी बहन नूपुर सेनन की शादी में शामिल होने के लिए उदयपुर पहुंची थीं, जहां उन्होंने अपनी मौजूदगी और लुक्स को लेकर खूब लाइमलाइट चुराई। वहीं, शादी के बाद अब कृति अपनी फैमिली और न्यूलीवेड कपल संग मुंबई लौट आई हैं। हालांकि, वहां से लौटते वक्त उनका गुस्सा पैपराजी पर फूट पड़ा। एयरपोर्ट से कृति का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। उदयपुर से लौटते वक्त कृति सेनन अपनी फैमिली और कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया संग एयरपोर्ट पर नजर आईं। जैसे ही पैपराजी ने उन्हें अपने कैमरे में कैद करने की लिए उनकी ओर कैमरा घुमाया तो वह असहज हो गईं और नाराजगी जाहिर करते हुए पैप्स को इशारों में फोटो और वीडियो न बनाने के लिए मना किया। इस दौरान उनके चेहरे पर गुस्सा साफ नजर आया, जो कैमरे में कैद हो गया। वहीं कबीर बहिया भी स्थिति को संभालते हुए वहां से आगे बढ़ते दिखाई दिए। कृति सेनन का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो सामने आते ही यूजर्स के रिएक्शन भी आने लगे। कुछ लोगों ने कृति के व्यवहार को गलत ठहराया तो कुछ ने उनकी प्राइवेसी का समर्थन किया। कई यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा कि अगर कैमरों से दिक्कत है तो पब्लिक जगहों पर सतर्क रहना चाहिए, वहीं कुछ लोगों ने यह भी कहा कि सेलेब्रिटीज को हर वक्त कैमरे के सामने रहने की मजबूरी झेलनी पड़ती है। बता दें कि कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन ने अपने लॉन्गटर्म बॉयफ्रेंड और मशहूर सिंगर स्टेबिन बेन के साथ उदयपुर में शादी रचाई है। कपल ने पहले क्रिश्चियन रीति–रिवाज से शादी की और इसके बाद हिंदू परंपराओं के अनुसार सात फेरे लिए। यह शादी तीन दिनों तक चले भव्य समारोहों के साथ संपन्न हुई, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों के अलावा कई सेलेब्रिटीज ने भी शिरकत की।

लाइमलाइट से दूर ऋतिक रोशन ने मनाया 52वां जन्मदिन, एक्स–वाइफ और गर्लफ्रेंड ने साथ दिया पोज

बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन ने इस बार अपना 52वां जन्मदिन बेहद प्राइवेट अंदाज में याच पर सेलिब्रेट किया। कैमरों और मीडिया से दूर हुई इस खास बर्थडे पार्टी में एक खास बात ने सबका ध्यान खींचा ऋतिक की एक्स–वाइफ सुजैन खान और उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद एक साथ नजर आईं और दोनों ने साथ में पोज भी दिए। इस प्राइवेट बर्थडे सेलिब्रेशन में ऋतिक के बेटे, उनकी फैमिली, सुजैन की फैमिली और कुछ बेहद करीबी दोस्त ही शामिल हुए। पार्टी में सोनाली बेंद्रे भी अपने परिवार के साथ मौजूद रहीं। इसके अलावा सुजैन के भाई जायद खान और बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी भी इस खास मौके का हिस्सा बने। बर्थडे के बाद ऋतिक रोशन ने पार्टी की कुछ अनसीन तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, साथ ही एक इमोशनल नोट भी लिखा। इन तस्वीरों पर सुजैन खान का प्यार भरा कमेंट भी सामने आया,गौर करने वाली बात यह है कि भले ही ऋतिक और सुजैन की राहें अलग हो चुकी हों, लेकिन दोनों के बीच सम्मान और दोस्ती आज भी बरकरार है। ऋतिक और सुजैन की शादी साल 2000 में हुई थी और 2013 में दोनों अलग हो गए थे। इसके बाद 2014 में ऑफिशियली तलाक हो गया। उस समय ऋतिक द्वारा दी गई 380 करोड़ की एलिमनी को बी–टाउन का सबसे महंगा तलाक माना गया था। इसके बावजूद ऋतिक ने कभी सुजैन को अपनी खुशियों से दूर नहीं रखा। वह अक्सर उन पार्टियों और फैमिली फंक्शन्स में शामिल होती हैं, जहां ऋतिक अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ मौजूद होते हैं। फिलहाल जहां सुजैन खान अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं, वहीं ऋतिक रोशन सबा आजाद के साथ रिलेशनशिप में हैं।

एपी ढिल्लों ने धोनी और सलमान खान के साथ शेयर की एडवेंचर फोटो, मिट्टी में सने नजर आए एक्टर–रैपर और क्रिकेटर

रैपर एपी ढिल्लों ने अपने श्वन ऑफ वन इंडिया टूरश के दौरान मिले प्यार के बाद अब एक और धमाकेदार मुलाकात से सबको हैरान कर दिया है। इस बार एपी ढिल्लों ने सलमान खान और क्रिकेटर धोनी के साथ खास अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रही है। इन तस्वीरों में सलमान, धोनी और ढिल्लों तीनों ही मिट्टी में सने नजर आ रहे हैं, लेकिन उनके चेहरे पर मुस्कान साफ देखी जा सकती है। इस बार एपी ढिल्लों ने सलमान खान और एमएस धोनी के साथ मिलकर बहुत मजेदार एडवेंचर किया। ढिल्लों ने इंस्टाग्राम पर सलमान खान के पनवेल फार्महाउस में कीचड़ भरे एडवेंचर की कई फोटो और वीडियो शेयर की हैं। इन तस्वीरों में तीनों कीचड़ से सने हुए नजर आए। वे ऑल–टेरेन व्हीकल चला रहे थे। एक वीडियो में ।ज्ट कीचड़ में फंस गई। ढिल्लों ने मजाक में लिखा, आपको क्या लगता है इसे किसने क्रैश किया? इसी पोस्ट पर सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर ने लिखा, बहुत मजा आया। यह पहली बार नहीं है जब एपी ढिल्लों और सलमान खान साथ आए हैं। पहले सलमान ने एपी के गाने ओल्ड मनी के म्यूजिक वीडियो में काम किया था, जिसमें संजय दत्त भी थे। फैंस को वो बहुत पसंद आया था। एपी ढिल्लों ने हाल ही में नया गाना रातां लम्बियां रिलीज किया है। यह एक रॉक स्टाइल का गाना है। सलमान खान अपनी नई फिल्म बैटल ऑफ गलवां में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 2020 के गलवां घाटी संघर्ष पर आधारित है। फिल्म को अपूर्वा लखिया ने डायरेक्ट किया है। इसमें चित्रांगदा सिंह भी हैं। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

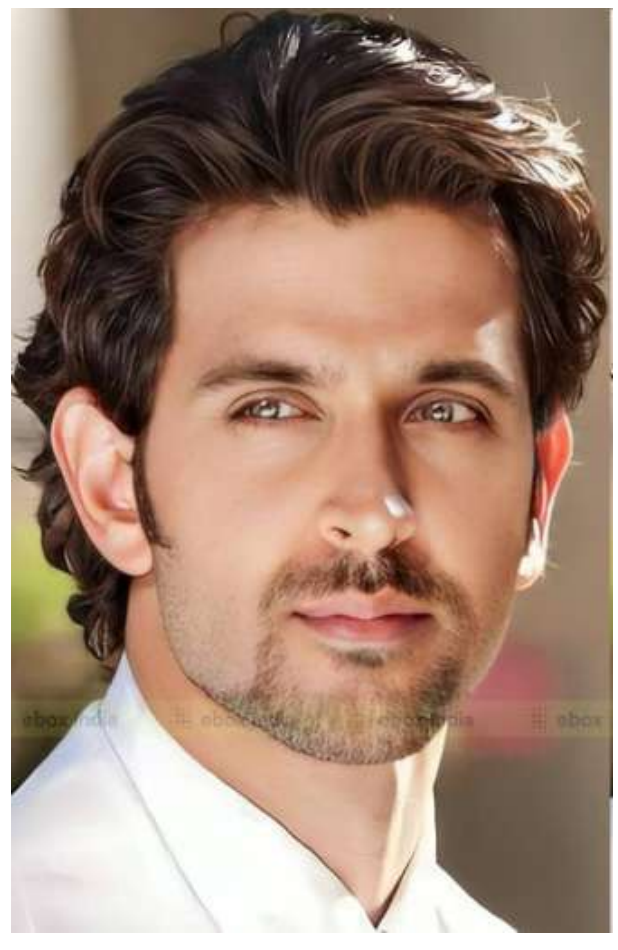

मेथी के डंठल फेंकने की नहीं पड़ेगी जरुरत, इन चीजों में करें इस्तेमाल

कई फल और सब्जियां ऐसी होती है जो डंठल के साथ आती हैं। कई सारी सब्जियों के छिलके महिलाएं फेंक देती हैं लेकिन वहीं कुछ के डंठल आप इस्तेमाल भी कर सकते हैं। कुछ महिलाएं बचे हुए टंडल फेंक के पकौड़े बना लेती हैं लेकिन इनका इस्तेमाल आप कई तरीके से कर सकते हैं। आज आपको इस आर्टिकल के जरिए यह बताते हैं कि मेथी के डंठल का इस्तेमाल आप किन–किन चीजों में कर सकते हैं।

चटनी बनाएं

मेथी के डंठल से आप टेस्टी चटनी बना सकते हैं। आंध्र प्रदेश में मेथी कुरा पचड़ी काफी लोकप्रिय है। यह मेथी की चटनी होती है जिन्हें डंठल का इस्तेमाल करके बनाया जाता है।

पकौड़े बनाएं

मेथी के डंठलों का इस्तेमाल आप पकौड़े बनाने के लिए कर सकते हैं। उबले आलू और मेथी के डंठल के मिक्स पकौड़े आप चाय के साथ बनाकर आसानी से खा सकती हैं।

सब्जी बनाएं

जैसे मेथी की सब्जी बनती है वैसे ही आप चाहें तो मेथी के डंठल की सब्जी भी बना सकते हैं। मेथी के पत्तों के साथ ही यह सब्जी भी सबको पसंद आएगी।

करी

सिर्फ डंठल ही नहीं बल्कि आप इनसे आप करी पत्ता भी बना सकते हैं। मेथी के पत्ते की यह सब्जी आपको बहुत अच्छी लगेगी। यदि आपको लगता है कि यह आपके खाने का स्वाद कड़वा कर देगी तो ऐसा कुछ नहीं होगा बल्कि आप मेथी की करी के साथ खाना बनाकर खा सकते हैं।

ऐसा दूर करें मेथी की कड़वाहट

मेथी का कड़वापन दूर करने के लिए इसे नमक वाले पानी में डुबो दें। इसके बाद इसे काटने–छांटने के बाद कुछ देर के लिए नमक वाले पानी में डालकर छोड़ दें। लगभग 20–30 मिनट के बाद आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे यह टेस्टी बनेगी।

किताबों से कुछ यूं सजाएं अपना घर

कहते हैं कि किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। बचपन से ही हमारा नाता किताबों से जुड़ जाता है। अक्सर हम सभी के घर में किताबें होती हैं, जिन्हें हम यूं ही एक तरफ रख देते हैं। हालांकि, अगर आप एक बुक लवर हैं तो आपको अपने घर में किताबों को थोड़ा क्रिएटिव तरीके से रखना चाहिए। जी हां, अगर आप डिफरेंट तरीके से किताबें रखते हैं तो इससे घर देखने में भी बेहद ही खूबसूरत नजर आता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप किताबों की मदद से अपना घर किस तरह सजा सकते हैं–

ओपन शेल्फ में रखें किताबें

आप अपने घर में किताबों को ओपन शेल्फ में रख सकते हैं। इन किताबों में कलरफुल कवर लगाकर आप इन्हें और भी अधिक खूबसूरत बना सकते हैं। जब आप इन्हें ओपन शेल्फ में रखते हैं, तो यह देखने में काफी अच्छी लगती हैं। इससे आपके होम डेकोर में चार–चांद लग जाते हैं।

बुक स्टैक

आप साइड टेबल पर एक साथ काफी सारे बुक्स रखकर उससे भी अपना घर सजा सकते हैं। आप चाहें तो इसे फ्लोर पर भी रख सकते हैं। इस बुक स्टैक को डायनामिक लुक देने के लिए आप हाइट और साइज के साथ एक्सपेरिमेंटल हों।

थीम डिस्प्ले

बुक्स से घर को सजाने का एक तरीका यह भी है कि आप थीम डिस्प्ले करें। मसलन, आप अपने घर के डेकोर व पर्सनल च्वॉइस को ध्यान में रखकर एक खास विषय से जुड़ी किताबों को अपने घर में सजाएं। मसलन, अगर आपको घूमना–फिरना काफी अच्छा लगता है तो ऐसे में आप ट्रेवल बेस्ड बुक्स को घर में डिस्प्ले करें। यह देखने में काफी अच्छा लगेगा।

बुक लेडर

अगर आप अपने घर में किताबों को एक क्रिएटिव तरीके से डिस्प्ले करना चाहते हैं तो ऐसे में सीढ़ियों का इस्तेमाल करना अच्छा विचार हो सकता है। आप सीढ़ियों को थोड़ा सजाएं और फिर यहां पर बुक्स को क्रिएटिव तरीके से डिस्प्ले करें। इससे आपको अलग से बुकशेल्फ की जरूरत महसूस नहीं होगी। साथ ही, घर देखने में भी काफी अच्छा लगेगा।

कीवी से बनाएं एंटी-एजिंग फेस पैक और पाएं यंगर स्किन

हम सभी चाहते हैं कि हमारी स्किन लंबे समय तक यूं ही जवां–जवां नजर आए। हालांकि, इसके लिए स्किन की सही तरह से देखभाल करना बेहद जरूरी है। ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने के अलावा आपको कुछ होम रेमिडीज को भी जरूर अपनाना चाहिए। इन्हीं में से एक है कीवी फेस पैक। विटामिन सी रिच कीवी से बनने वाले फेस पैक ना केवल आपकी स्किन को ग्लोइंग व इवन टोन बनाते हैं, बल्कि इससे आपकी स्किन अधिक यूथफुल भी नजर आती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कीवी की मदद से बनने वाले कुछ एंटी–एजिंग फेस पैक के बारे में बता रहे हैं–

कीवी और दही फेस पैक

कीवी को दही के साथ मिक्स करके एंटी–एजिंग फेस पैक बनाया जा सकता है।

आवश्यक सामग्री–

– एक पका हुआ कीवी

– दो चम्मच दही

इस्तेमाल का तरीका–

– सबसे पहले एक पकी हुई कीवी को मैश करें।

– अब इसमें दो बड़े चम्मच सादा दही मिलाएं।

– अपने फेस को क्लीन करें और इस मिश्रण को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं।

– करीबन 15 मिनट बाद इसे गुनगुने पानी से धो लें।

कीवी और केले फेस पैक

कीवी और केले का फेस पैक आपकी स्किन को टाइटन करने में मदद करता है। केला विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होता है जो स्किन को पोषित करता है।

आवश्यक सामग्री–

– आधा पका हुआ केला

– एक कीवी

इस्तेमाल करने का तरीका–

– केले और कीवी को एक साथ मैश कर लें।

– अब अपनी स्किन को क्लीन करके इस पेस्ट को अपने चेहरे व गर्दन पर लगाएं।

– करीबन 15–20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पानी से धो लें।

कीवी और एवोकाडो फेस पैक–

कीवी के साथ एवोकाडो को मिक्स करके भी फेस पैक बनाया जा सकता है। एवोकाडो हेल्दी फैट और विटामिन से भरपूर होता है, जो आपकी स्किन को पोषित और हाइड्रेट कर सकता है।

आवश्यक सामग्री–

– एक पकी कीवी

– आधा एवोकाडो

इस्तेमाल का तरीका–

– कीवी और एवोकैडो को एक साथ मैश कर लें।

– इस मिश्रण को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं।

– इसे धोने से पहले 20–25 मिनट के लिए छोड़ दें।

बार-बार नाक में उंगली डालते हैं तो तुरंत बदल लें ये आदत, वरना जान को हो सकता है खतरा!

नाक में उंगली डालना भले ही कई लोगों को मामूली आदत लगे, लेकिन यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। यह आदत न सिर्फ नाक की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि गंभीर संक्रमण के जरिए दिमाग तक खतरा पैदा कर सकती है। कुछ मामलों में यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है। अगर आपको भी बार–बार नाक खुजलाने या उंगली डालने की आदत है, तो इसे तुरंत छोड़ देना ही बेहतर है।

नाक में उंगली डालने की आदत क्या है?

मेडिकल भाषा में नाक में बार–बार उंगली डालने की आदत को राइनोटिलेक्सोमेनिया कहा जाता है। यह एक तरह की बैड हैबिट मानी जाती है, जो धीरे–धीरे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती है।

नाक में उंगली डालने के बड़े नुकसान

इंफेक्शन का खतराः हाथों में मौजूद बैक्टीरिया और जर्म्स सीधे नाक के अंदर पहुंच जाते हैं, जिससे नेजल और फंगल इंफेक्शन हो सकता है।

नाक की परत को नुकसानः नाखून लगने से नाक की नाजुक परत कट सकती है। इससे घाव बनते हैं और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं।

खतरनाक बैक्टीरिया का खतराः नाक में मौजूद स्टैफिलोकोकस बैक्टीरिया शरीर में फैल सकता है, जो निमोनिया, हड्डियों की बीमारी और गंभीर संक्रमण का कारण बन सकता है। कुछ रिसर्च में इसे डिमेंशिया और अल्जाइमर से भी जोड़ा गया है।

नाक में सूजन और घावः बार–बार उंगली डालने से नाक में सूजन, जख्म और लगातार दर्द की समस्या हो सकती है।

नाक से खून आनाः नाजुक रक्त वाहिकाएं फट सकती हैं, जिससे बार–बार नोज ब्लीड होने लगता है।

चीन का चौंकाने वाला मामला

हाल ही में चीन के शानक्सी प्रांत के जियानयांग शहर से एक गंभीर मामला सामने आया। एक व्यक्ति को बार–बार नाक खुजलाने और उंगली डालने की आदत थी। एक दिन अचानक उसकी नाक से तेज ब्लीडिंग शुरू हो गई, जो किसी भी तरह नहीं रुक रही थी। परिजन उसे तुरंत

अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने बताया कि उसकी चेहरे की धमनी फट गई है। स्थिति इतनी गंभीर थी कि तुरंत इमरजेंसी सर्जरी करनी पड़ी। डॉक्टरों के मुताबिक, अगर समय पर इलाज न मिलता तो उसकी जान भी जा सकती थी।

क्या नाक में उंगली डालने से मौत का खतरा होता है?

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बार–बार नाक खुजलाने या उंगली डालने से नाक की श्लेष्मा झिल्ली को गंभीर नुकसान पहुंचता है। इससे नाक के अंदर मौजूद रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं और कभी–कभी धमनी फटने जैसी स्थिति बन सकती है। बहुत गंभीर मामलों में यह संक्रमण दिमाग तक पहुंच सकता है, जो जानलेवा साबित हो सकता है।

खुद को कैसे बचाएं?

नाक में खुजली हो तो उंगली की बजाय साफ टिश्यू का इस्तेमाल करें।

हाथों को बार–बार धोने की आदत डालें।

नाक में सूखापन हो तो सेलाइन ड्रॉप्स का उपयोग करें।

बार–बार नाक से खून आए तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

जरूरी नोटः नाक में उंगली डालना एक छोटी आदत लग सकती है, लेकिन इसके परिणाम बेहद गंभीर हो सकते हैं। समय रहते इस आदत को छोड़ना ही आपकी सेहत के लिए सबसे बेहतर है।

हड्डियों की कमजोरी और दांतों से खून निकलने की वजह हो सकती हैं विटामिन-के की कमी, कौन से फल खाएं?

विटामिन्स हमारे शरीर के लिए बहुत ही जरूर माने जाते हैं। कई तरह के आहारों से ये हमें कई तरह के विटामिन्स भरपूर मिल सकते हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन अहम भूमिका निभाते है, साथ ही यह शरीर की इम्यूनिटी को स्ट्रांग रखते है। विटामिन में ऐसे पौष्टिक तत्व मौजूद होते है जो हड्डियों को मजबूत और मांसपेशियों को स्वस्थ बनाए रखने का काम करते हैं। विटामिन कई प्रकार के होते है। शरीर में अन्य विटामिन की तरह विटामिन के भी बहुत जरूरी है। चलिए आपको बताते हैं कि विटामिन के शरीर के लिए जरूरी क्यों होता है? विटामिन श्केश को फाइलोक्विनोन के नाम से भी जाना जाता हैं। इसका हमारे शरीर में पर्याप्त मात्रा में होना आवश्क है क्योंकि यह ब्लड क्लॉटिंग और बोनस हेल्थ के लिए जरूरी माना जाता है। विटामिन के शरीर में फ्रैक्चर की संभावना को कम करता है। हड्डियों के साथ–साथ मसूड़ों को भी मजबूत बनाता है।

विटामिन के का कार्य

विटामिन के का मुख्य कार्य लीवर में मौजूद प्रोटीन जैसे कि प्रोथोम्बिन और फाइब्रिनोजेन का संश्लेषण करना है। जो कि रक्त थक्का जमने में सहायक होते है। यह संश्लेषित प्रोटीन रक्त में उपस्थित होते है, शरीर में चोट आदि लगने पर ये प्रोटीन प्रोथोम्बिन से थोम्बिन में परिवर्तित होकर रक्त का थक्का जमाते है। यह विटामिन शरीर में रक्त का थक्का बनाने में मदद करता है, इसी कारण इसे श्ब्लड क्लॉटिंग विटामिनश भी कहा जाता है। क्योंकि अगर रक्त का थक्का न बने तो चोट आदि लगने पर, अत्याधिक रक्त बहने के कारण व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। शरीर में हड्डियों का स्वस्थ होना बहुत जरूरी है,विटामिन के हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है और कैल्शियम अवशोषण में भी सहायक है। बुढ़ापे में भी हड्डियों की रक्षा में सहायक होता है।

विटामिन के की कमी के लक्षण

1.हड्डियों का कमजोर होना।

2.रक्त स्नाव(खून बहना) होना।

3. दिल से जुड़ी दिक्कतें होना।

4.ब्रश के समय दांतों से या इंजेक्शन लेते समय खून निकलना।

5.नाक में से बार–बार खून निकलना।

हरी सब्जियों से मिलेगा भरपूर विटामिन–के

वैसे विटामिन के हरे पत्तेदार सब्जियों जैसे केल, ब्रोकली, पालक, बंदगोभी और लेट्स के पत्तों में भरपूर पाया जाता है। इसके अलावा कुछ फलों में भी विटामिन के भरपूर पाया जाता है।

किन–किन फलों से मिलता है विटामिन के

अनार– विटामिन के की कमी को पूरा करने के लिए आप रोज एक अनार खा सकते है। इसमें फाइबर और खनिज भरपूर मात्रा में उपलब्ध होता है।

चुकंदर– चुकंदर में भी विटामिन के अधिक मात्रा में मिलता है, इसे भी आप खाने के साथ सलाद के रूप में लें सकते है।

सेब– सेब में प्रोटीन,कार्बोहाइड्रेट और फाइबर पाया जाता है और ये विटामिन के की कमी को दूर करता है। आप रोजाना एक सेब का सेवन कर सकते है।

अंजीर– कम कैलोरी वाले अंजीर में भी विटामिन के मौजूद होता है,आप इसे भी स्नैक सूची में शामिल कर सकते है।

कीवी– कीवी रक्त जमने को रोकने से बचाती है, जिससे रक्त संचार ठीक रहता है।

एवोकाडो–एवोकाडो के एक टुकड़े में लगभग 20 विटामिन और खनिज होता है। इसे कच्चा या गुआकामोल बनाकर खाने से विटामिन के की कमी दूर होती है।

आलूबुखारा–आलूबुखारा आपके अंगों को हाइड्रेट रखता है और ये विटामिन श्केश फल में आयरन और पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों और मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है।

संक्षिप्त

धनश्री के साथ री-यूनियन? चहल ने रियलिटी शो में साथ आने की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा के साथ रियलिटी शो द फिफ्टी में दिखाई देने से जुड़े रीयूनियन की खबरों पर आखिरकार प्रतिक्रिया दे दी है। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया और मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि धनश्री और चहल को आने वाले रियलिटी शो में एक साथ देखा जा सकता है, जिसके बाद फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ गई थी। इन अटकलों के बीच चहल ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए स्पष्ट बयान जारी किया और सभी रिपोर्ट्स को आधारहीन बताया। उन्होंने कहा कि न तो उन्होंने शो से जुड़ने की कोई बात की है और न ही किसी तरह की चर्चा हुई है। चहल की टीम ने एक पोस्ट लिखा, जिसे चहल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर भी किया है। उसमें लिखा है, मौजूदा समय में युजवेंद्र चहल की किसी भी रियलिटी शो में भागीदारी संबंधी चल रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये दावे केवल अटकलें हैं और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। साथ ही नोट में आगे कहा गया है, युजवेंद्र उस शो से जुड़े नहीं हैं जिसका हालिया रिपोर्ट्स में जिक्र किया गया है, और इस तरह की कोई चर्चा या प्रतिबद्धता भी नहीं है। हम मीडिया प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से अनुरोध करते हैं कि बिना पुष्टि की जानकारी फैलाने से बचें। धनश्री वर्मा ने अभी तक शो से जुड़े रूमर्स पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। शो द 50 एक फरवरी से लाइव होगा और फिल्ममेकर फराह खान इसे होस्ट करेंगी। फराह के अनुसार यह शो भारत के रियलिटी शो कल्चर में बदलाव लाने वाला साबित होगा। धनश्री और चहल की शादी दिसंबर 2020 में गुरुग्राम में हुई थी। मुलाकात कोविड काल में हुई थी जब चहल ने धनश्री से डांस क्लासेस लीं। तलाक याचिका में कहा गया कि दोनों जून 2022 में अलग हुए और मार्च 2023 में तलाक हो गया। तलाक के बाद चहल को आरजे महवश के साथ दुबई में चौंपियंस ट्रॉफी फाइनल देखते देखा गया, जिससे चर्चाएं हुईं। हालांकि महवश ने इसे महज दोस्ती बताया। वहीं धनश्री ने अपनी निजी जिंदगी पर रियलिटी शो श्राइज एंड फॉलश में भी बात की थी।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से कितने भारतीय परिवारों को मिला लाभ? केंद्रीय मंत्री पुरी ने बताए आंकड़े

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री

हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से भारत की स्वच्छ स्वच्छ तरीके से खाना पकाने के पहल के सकारात्मक और व्यापक प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस योजना की असली सफलता केवल गैस कनेक्शन की संख्या में नहीं, बल्कि एलपीजी के नियमित उपयोग में छिपी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक्स पर किए गए अपने पोस्ट में मंत्री ने बताया कि देश में इस समय एक विशाल राष्ट्रीय एलपीजी नेटवर्क संचालित हो रहा है, जिसके तहत करीब 33 करोड़ एलपीजी कनेक्शन मौजूद हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। इसके तहत 10.41 करोड़ परिवारों को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। सरकार अब इस योजना के तहत 10. 60 करोड़ कनेक्शनों के अपने लक्ष्य के करीब पहुंच रही है। मंत्री पुरी ने बताया कि उपभोक्ताओं के व्यवहार में आया बदलाव रिफिल के आंकड़ों से स्पष्ट है। आंकड़ों से पता चलता है कि औसत खपत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो प्रति परिवार 3 सिलेंडर से बढ़कर 4.85 सिलेंडर हो गई है। मंत्री जी के अनुसार, यह रुझान साबित करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह पहल श्व्यापक स्तर पर सम्मान प्रदान करने वाली दैनिक बुनियादी ढांचागत सुविधाएंश उपलब्ध करा रही है। यह बदलाव लाखों भारतीय परिवारों के लिए पारंपरिक खाना पकाने के तरीकों से हटकर अधिक टिकाऊ, स्वस्थ और स्वच्छ खाना पकाने की प्रणाली की ओर एक स्पष्ट बदलाव का संकेत देता है। मई 2016 में शुरू की गई पीएमयूवाई योजना का उद्देश्य देशभर के गरीब परिवारों की महिलाओं को बिना जमा राशि के एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराना है। पीएमयूवाई के सभी लाभार्थियों को बिना जमा राशि के एलपीजी कनेक्शन मिलता है, जिसमें सिलेंडर, प्रेशर रेगुलेटर, सुरक्षा पाइप, घरेलू गैस उपभोक्ता कार्ड (डीजीसीसी) पुस्तिका और इंस्टॉलेशन शुल्क के लिए सुरक्षा जमा राशि शामिल है। उज्ज्वला 2.0 की मौजूदा व्यवस्था के अनुसार, सभी लाभार्थियों को पहली बार ईंधन भरवाने और चूल्हा भी मुफ्त में दिया जाता है।

कैश ऑन डिलीवरी से क्रेडिट कार्ड तक का सफर, ऑनलाइन खरीदारी ने कैसे बदली भुगतान की आदतें?

नई दिल्ली,एजेंसी। एक दशक पहले तक औसत भारतीय उपभोक्ता डिजिटल पेमेंट को लेकर उत्सुक तो था, लेकिन पूरी तरह आश्वस्त नहीं। ऑनलाइन खरीदारी का सबसे भरोसेमंद जरिया तब भी कैश ऑन डिलीवरी यानी डिलीवरी के समय भुगतान ही था, जो इंटरनेट पर लेनदेन को लेकर बनी आशंकाओं के बीच एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता था। लेकिन समय के साथ यह तस्वीर पूरी तरह बदल गई। जैसे-जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने डिजिटल वॉलेट, यूपीआई, डेबिट कार्ड और श्बाय नाउ, पे लेटरश (ठछच्स्) जैसे विकल्पों का सहज और सुरक्षित इकोसिस्टम तैयार किया, वैसे-वैसे उपभोक्ताओं की सोच भी बदली।

तबाही मचा सकते हैं ये 5भारतीय दो का औसत 50+ का, एक ने पाकिस्तान के खिलाफ बरपाया था कहर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय अंडर-19 टीम इस बार भी ऐसे खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर रही है जो अकेले दम पर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। इस लिस्ट में पांच नाम खास तौर पर चर्चा में हैं। दो बल्लेबाज जिनका औसत 50 से ऊपर है और एक ऐसा खिलाड़ी जिसने पाकिस्तान के खिलाफ कहर बरपाती गेंदों से अपनी धाक जमाई थी। आंकड़ों से भी साफ है कि ये खिलाड़ी किसी भी विरोधी के लिए सिरदर्द बनने वाले हैं।

वैभव सूर्यवंशी पिछले दो साल से लगातार रन बना रहे हैं और उनकी स्थिरता उन्हें टीम का सबसे बड़ा एक्स-फैक्टर बनाती है। 2024-2026 के बीच खेले गए 18 मैचों में उन्होंने 973 रन ठोके हैं, जिसमें 171 रन की पारी भी शामिल है। उनका बल्लेबाजी औसत 54.05 है, जो बताता है कि वे सिर्फ रन नहीं बनाते बल्कि टीम को जीत की तरफ धकेलते हैं। तेजी से रन बनाने की क्षमता उन्हें बड़े मैचों में और खतरनाक बना देती है। अभिज्ञान कुंडू का औसत 54.88 है जो किसी भी स्तर पर शानदार माना जाता है। 15 मैचों में उन्होंने 494 रन बनाए है और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 87' है। वे परिस्थिति के हिसाब से खेलना जानते हैं, चाहे टीम पर दबाव हो या फिर तेजी से रन बनाने हों। यही वजह है कि टीम मैनेजमेंट उन्हें परिस्थिति के हिसाब से खेलने वाला खिलाड़ी मानता है।

टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे को एक ऐसे बल्लेबाज के रूप में देखा जा रहा है जो बिना किसी डर के, लेकिन पूरी कंट्रोल के साथ खेलते हैं। उन्हें आर्किटेक्ट कहा जाता है क्योंकि वे जानते हैं कि कब जोखिम लेना है, कब स्ट्राइक रोटेट करनी है और कब साथी खिलाड़ियों को शांत रखना है। वो शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलकर मैच को अपने हिसाब से सेट करने की क्षमता रखते हैं। आयुष और वैभव की ओपनिंग जोड़ी पर काफी कुछ निर्भर होगा।

भारत के उभरते ऑलराउंडर कनिष्क चौहान टीम के लिए एक महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। 2025-26 में उन्होंने 258 रन बनाए हैं और 15 विकेट भी चटकाए हैं। उनकी गेंदबाजी इकोनॉमी 4.51 रही है जो बेहद मूल्यवान है। गेंद और बल्ले दोनों से योगदान उन्हें मैच-बैलेंस करने वाला खिलाड़ी बनाता है। कनिष्क पर काफी दारोमदार होगा। डी. दीपेश शुरुआती ओवरों में गेंद स्विंग कराने में माहिर हैं। पिछले दो साल में उन्होंने 10 मैचों में 15 विकेट लिए हैं। 16 रन देकर तीन विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग स्पेल रही है। हाल ही में अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने तीन विकेट लेकर कहर बरपाया था। उनका 27.86 का औसत और जल्दी विकेट निकालने की कला उन्हें विरोधी बल्लेबाजों के लिए खतरा बनाती है।

भारतीय ड्रेसिंग रूम में विवाद? खबरों पर कोच की प्रतिक्रिया, बोले- रोहित-कोहली और गंभीर

मुंबई,एजेंसी। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मंगलवार को मीडिया रिपोर्ट्स को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि हेड कोच गौतम गंभीर और सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा, विराट कोहली और कोच गौतम गंभीर के बीच कोई मनमुटाव या संवादहीनता नहीं है। कोटक ने कहा कि दोनों सीनियर खिलाड़ी नियमित रूप से गंभीर से क्रिकेट और वर्ल्ड कप योजनाओं पर चर्चा करते हैं। यह बयान भारत और न्यूजीलैंड के बीच राजकोट में बुधवार को होने वाले दूसरे वनडे से एक दिन पहले आया। कोटक ने यह भी बताया कि रोहित और कोहली, 2027 वनडे विश्व कप (दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होना है) को लेकर बातचीत कर चुके हैं। उन्होंने कहा, श्रोहित और कोहली गौतम के साथ वनडे फॉर्मेट, होने वाले मैचों और दक्षिण अफ्रीका जाने की हमारी योजनाओं पर नियमित चर्चा करते हैं। ज्यादातर समय मैं वहां होता हूं और जब भी मैं सुनता हूं, तो वे अपने अनुभव जरूर साझा करते हैं। मैं हमेशा देखता हूं कि वे बातें कर रहे होते हैं। पिछले कुछ महीनों में मीडिया में यह दावा किया जा रहा था कि गंभीर और पूर्व कप्तानों रोहित-कोहली के बीच बातचीत कम हो गई है और इससे ड्रेसिंग रूम में तनाव है। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो भी फैले जिनमें कोहली को गंभीर से दूरी बनाते हुए दिखाया गया, लेकिन कोटक ने ऐसी खबरों को नकारते हुए कहा, सोशल मीडिया पर बहुत सी चीजें दिखती हैं, जिन्हें मैं देखने से बचने की कोशिश करता हूं। कोटक ने आगे स्पष्ट किया कि दोनों खिलाड़ी बेहद अनुभवी हैं और अपनी तैयारी खुद तय करते हैं। उन्होंने कहा, देखिए, दोनों बहुत सीनियर और अनुभवी हैं। वे निश्चित रूप से योजनाएं बनाते हैं। अगर उन्हें लगे कि जरूरत है, तो वे पहले ही किसी स्थल पर पहुंचकर अभ्यास करते हैं। वे जानते हैं कि वे एक फॉर्मेट खेल रहे हैं और चाहते हैं कि जब वे टीम में हों, तो भारत हर जगह जीते। उन्होंने आगे कहा, श्वे जानते हैं कि उनके शरीर को क्या चाहिए, फिटनेस क्या चाहिए, और बल्लेबाजी में क्या चाहिए। वे पूरी तरह प्रोफेशनल हैं, उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं कि क्या करना है। बल्कि उनके पास इतना अनुभव है कि वे दूसरे खिलाड़ियों को भी कई आइडियाज दे सकते हैं और वे चर्चा भी करते हैं।

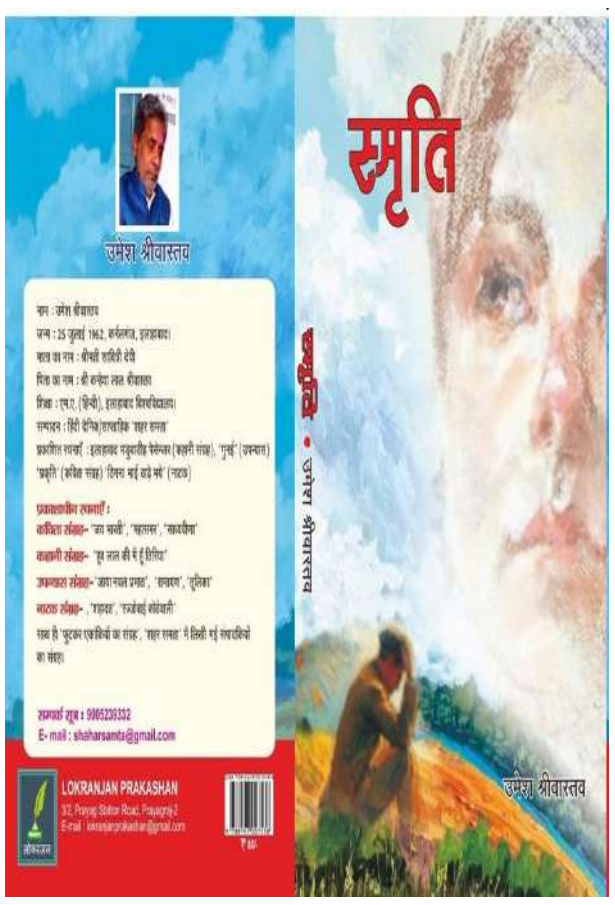

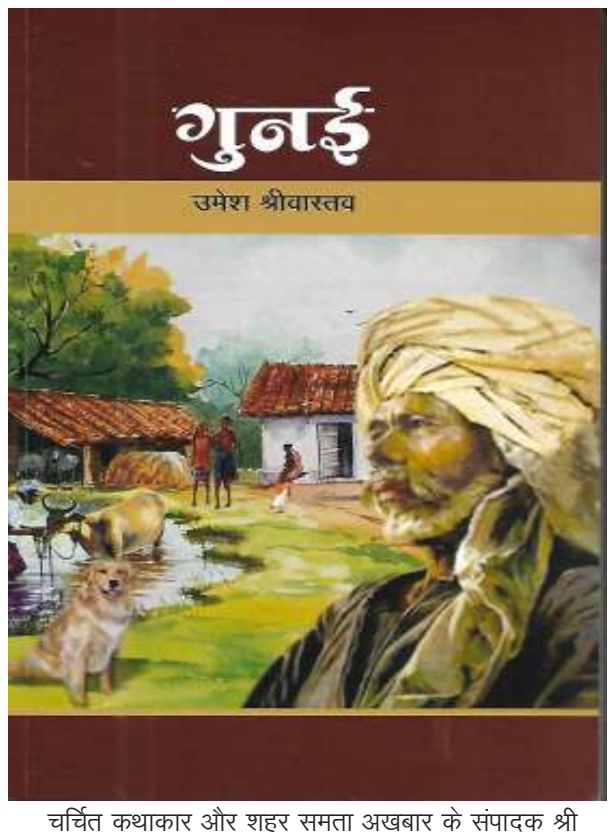

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

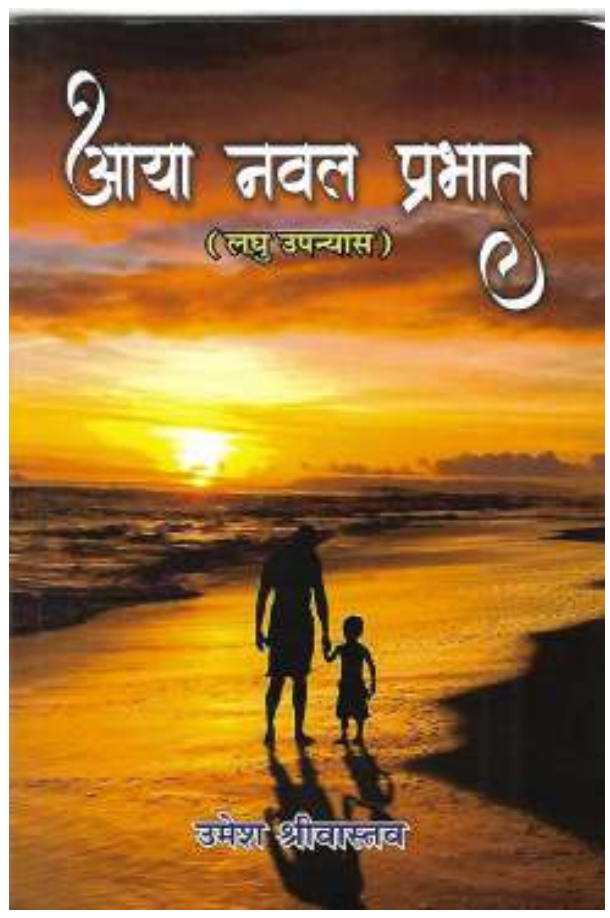

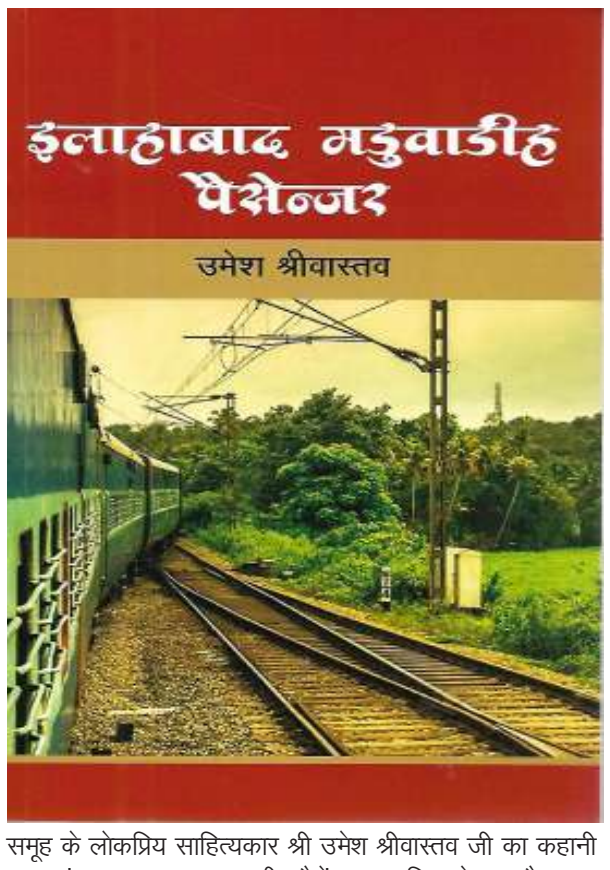

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

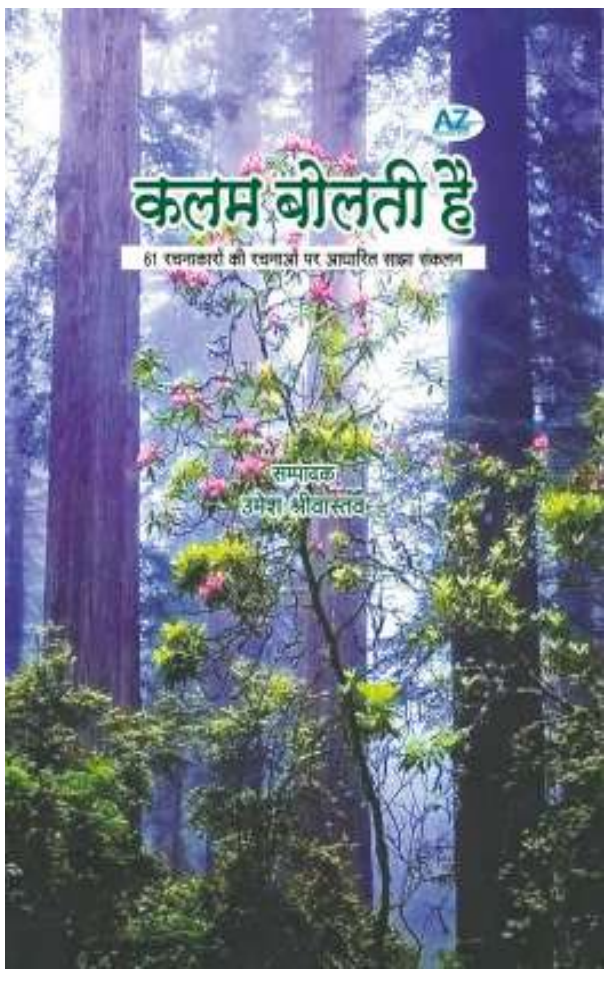

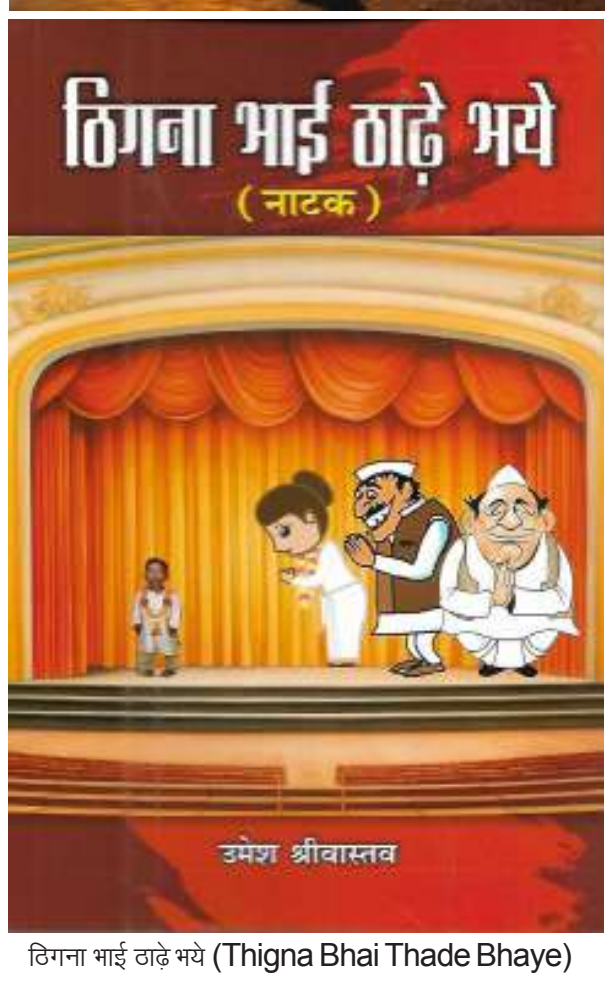

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

एपस्टीन जांच में क्लिंटन दंपती का गवाही से इनकार, वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए कई अमेरिकी रिहा

रूस ,एजेंसी। रूस ने ईरान पर सैन्य कार्रवाई की अमेरिकी धमकियों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह अस्वीकार्य करार दिया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि अगर अमेरिका ने ईरान पर हमला किया तो इसके मध्य पूर्व और वैश्विक सुरक्षा पर विनाशकारी परिणाम होंगे। मॉस्को ने चेताया कि ऐसे कदम हालात को और विस्फोटक बना सकते हैं और क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ेगी। रूसी विदेश मंत्रालय ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह ईरान के सहयोगी देशों को व्यापारिक टैरिफ की धमकी देकर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। बयान में कहा गया कि ईरान में जारी विरोध–प्रदर्शन पश्चिमी प्रतिबंधों से पैदा हुई सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का नतीजा हैं। रूस ने दावा किया कि बाहरी ताकतें इन हालात का फायदा उठाकर ईरानी राज्य को अस्थिर करना चाहती हैं। साथ ही, रूस ने अपने नागरिकों को ईरान में भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने की सलाह दी है और उम्मीद जताई कि स्थिति धीरे–धीरे सामान्य होगी। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच मारे गए सुरक्षाबलों के जवानों के लिए बुधवार को राजकीय अंतिम संस्कार किया जाएगा। ईरानी सरकारी टीवी के मुताबिक, इन सुरक्षाकर्मियों को 'शहीद और सुरक्षा के रक्षक' बताते हुए तेहरान विश्वविद्यालय परिसर में अंतिम विदाई दी जाएगी। यह बीते एक हफ्ते से तेज हुए प्रदर्शनों के बाद पहला बड़ा अंतिम संस्कार होगा। अर्ध–सरकारी तसनीम समाचार एजेंसी के अनुसार, आने वाले दिनों में ऐसे और भी अंतिम संस्कार आयोजित किए जाएंगे। उधर, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का दावा है कि सरकार विरोधी प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 2,000 लोगों की मौत हो चुकी है। इन प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई और हिंसा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता जताई जा रही है। सरकार का कहना है कि सुरक्षा बलों ने कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई की, जबकि विपक्षी समूह इसे दमन बता रहे हैं। अमेरिका के बड़े बैंक प्रमुखों और वॉल स्ट्रीट के शीर्ष अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी है कि वह फेडरल रिजर्व और क्रेडिट कार्ड उद्योग पर हमले बंद करें। बैंक प्रमुखों का कहना है कि फेड की स्वतंत्रता पर सवाल उठाना अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक साबित हो सकता है और इससे ब्याज दरें बढ़ने का जोखिम है। ट्रंप ने क्रेडिट कार्ड ब्याज दरों पर 10 प्रतिशत की सीमा लगाने का प्रस्ताव रखा है। बैंक अधिकारियों का कहना है कि इससे उपभोक्ताओं को फायदा नहीं, बल्कि नुकसान होगा, क्योंकि इससे कर्ज की उपलब्धता घटेगी। अनुमान है कि इस कदम से बैंकों को हर साल करीब 100 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। निवेशकों की चिंता के चलते कई बड़े क्रेडिट कार्ड कंपनियों के शेयरों में गिरावट भी आई है। बैंकिंग उद्योग का कहना है कि इस तरह के फैसले अर्थव्यवस्था की स्थिरता को कमजोर कर सकते हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने जेफ्री एपस्टीन मामले की संसदीय जांच में गवाही देने से इनकार कर दिया है। क्लिंटन दंपती ने इसे कानूनी रूप से अमान्य बताते हुए कहा कि यह प्रक्रिया उन्हें जेल भेजने के इरादे से चलाई जा रही है। इसके बाद रिपब्लिकन सांसदों ने अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी दी है। हाउस ओवरसाइट कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि क्लिंटन दंपती से सवाल पूछना जरूरी है, हालांकि उन पर किसी अपराध का आरोप नहीं है। इस बीच सांसदों ने एपस्टीन फाइलों की पूरी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग तेज कर दी है। उनका आरोप है कि न्याय विभाग जरूरी दस्तावेज जारी करने में देरी कर रहा है। मामले ने कांग्रेस की जांच शक्तियों और पूर्व राष्ट्रपतियों की जवाबदेही को लेकर नई बहस छेड़ दी है। दक्षिण कोरिया में एक स्वतंत्र अभियोजक ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ मार्शल लॉ लागू करने के मामले में मौत की सजा की मांग की है। अभियोजन पक्ष ने अदालत में कहा कि यून ने सत्ता में बने रहने के लिए संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश की। यून ने आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज किया है। अदालत फरवरी में फैसला सुना सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौत की सजा की संभावना कम है और उन्हें आजीवन कारावास हो सकता है। यह मामला दक्षिण कोरिया के लोकतांत्रिक इतिहास में एक अहम मोड़ माना जा रहा है। कजाखस्तान में हुए भीषण सड़क हादसे में एक भारतीय छात्रा की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। भारतीय दूतावास ने कहा, मृत छात्रा की पहचान मिली मोहन (25) के रूप में हुई है, जो सेमे मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ती थीं। हादसे में आशिका संतोष और जेसीना बी घायल हैं। भारत में घृणास्पद भाषण के मामले बढ़ने का दावा अमेरिका के एक शोध समूह ने दावा किया है कि भारत में अल्पसंख्यकों के विरुद्ध घृणास्पद भाषण की घटनाएं 13 फीसदी बढ़ी हैं। इंडिया हेट लैब की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में ऐसे 1,318 मामले दर्ज हुए जबकि 2024 में यह संख्या 1,165 व 2023 में 668 थी। केंद्र सरकार ने रिपोर्ट को खारिज करते हुए इसे भारत की छवि खराब करने की कोशिश बताया है। केन्या में भारत के उच्चायुक्त आदर्श स्वायका ने केन्या के प्रधान कैबिनेट सचिव मुसालिया मुदावदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए नई दिल्ली में भारत–केन्या संयुक्त आयोग की बैठक आयोजित करने पर सहमति जताई। बैठक में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, व्यापार और निवेश, विकास साझेदारी तथा जन–जन संपर्क बढ़ाने पर चर्चा हुई। अमेरिकी आव्रजन हिरासत में इस साल की शुरुआत में महज 10 दिनों के भीतर ही चार प्रवासियों की मौत हो गई। मृतकों में होंडुरास के दो, क्यूबा का एक और कंबोडिया का एक नागरिक शामिल हैं। अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के अनुसार ये मौतें 3 से 9 जनवरी के बीच हुईं। जनवरी तक आईसीई की हिरासत में 69,000 लोग थे, जो बढ़ने की संभावना है। वहीं, साल 2025 में हिरासत में 30 मौतें दर्ज हुई थीं, जो दो दशकों में सबसे अधिक हैं। मानवाधिकार संगठनों ने इन मौतों पर चिंता जताते हुए इसे गंभीर बताया है। द.कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्यांग जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची से शिखर वार्ता के लिए मंगलवार को जापान पहुंचे। बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाना है। विशेषतौर से ऐसे समय में जब जापान के चीन के साथ तनाव बढ़ रहा है। वार्ता में आर्थिक सहयोग, सुरक्षा और रणनीतिक चुनौतियों पर चर्चा की संभावना है। बैठक पीएम ताकाइची के लिए राजनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है, क्योंकि वह अपनी स्थिति मजबूत करने के साथ समय से पहले चुनाव की तैयारी कर रही हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू–कश्मीर (पीओजेके) में सरकार के संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएएसी) के साथ हुए समझौते को लागू न किए जाने से जन आक्रोश बढ़ा है। इसके चलते मुजफ्फराबाद में जनता ने विरोध प्रदर्शन करते हुए जेकेजेएएसी के कोर सदस्य शौकत नवाज मीर ने युवाओं को निशाना बनाए जाने और बल प्रयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 4–5 अक्तूबर को हुए समझौते के बावजूद सरकार ने लिखित वादों को अमल में नहीं बदला। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को कहा कि वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए कई अमेरिकियों को रिहा कर दिया गया है।

संक्षिप्त

स्पेन में 150 वर्षों में पहली बार कोई महारानी करेगी राज, जानिए कौन हैं 20 साल की राजकुमारी लियोनोर

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में एक इतिहास रचने की तैयारी हो रही है। दरअसल 150 वर्षों में पहली बार वहां एक महारानी का राज होगा। स्पेन के राजा किंग फेलिप छठे और रानी लेटीजिया की 20 साल की बेटी राजकुमारी लियोनोर स्पेन की पहली रानी बनेंगी। इससे पहले 1800 सदी में इसाबेला द्वितीय स्पेन की महारानी बनीं थीं। कौन हैं प्रिंसेस लियोनोर 20 साल की राजकुमारी प्रिंसेस लियोनोर, स्पेन के राजा किंग फेलिप छठे और रानी लेटीजिया की बड़ी बेटी हैं। स्पेनिश राजशाही पर 1700 के दशक की शुरुआत से बॉर्बन राजवंश का कब्जा रहा है। बॉर्बन राजवंश ने उत्तराधिकारी की लड़ाई में हैब्सबर्ग्स को हराया था। जनरल फ्रेंको की तानाशाही खत्म होने के बाद साल 1975 में किंग जुआन कार्लोस प्रथम के साथ स्पेन में फिर से राजशाही बहाल हुई। किंग जुआन कार्लोस प्रथम ने स्पेन में लोकतंत्र में बदलने में अहम भूमिका निभाई। साल 2014 में किंग कार्लोस ने गद्दी छोड़ दी और सिंहासन अपने बेटे फेलिप को सौंप दिया। अब किंग फेलिप के बाद राजकुमारी लियोनोर स्पेन की सत्ता संभालेंगी। राजकुमारी लियोनोर ने वेल्स के अटलांटिक कॉलेज से उच्च शिक्षा हासिल की है। साथ ही वे स्पेन की सेना, नौसेना और वायुसेना में भी ट्रेनिंग पूरी कर चुकी हैं, जो स्पेन के राजघराने के सदस्यों को करनी अनिवार्य होती है। राजकुमारी लियोनोर स्पेनिश और फ्रेंच समेत इंग्लिश, मंदारिन, अरबी आदि भाषाएं बोल सकती हैं। साथ ही वे एक प्रशिक्षित पायलट हैं।

थाईलैंड में क्रेन गिरने के कारण पटरी से उतरी ट्रेन, 22 लोगों की मौत 30 घायल

थाईलैंड, एजेंसी। थाईलैंड में एक बड़ा रेल हादसा हुआ है। दरअसल राजधानी बैंकॉक से थाईलैंड के उत्तर पश्चिमी प्रांत जा रही एक ट्रेन पर निर्माणाधीन साइट की क्रेन गिर गई। इसके बाद ट्रेन भी पटरी से उतर गई। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हुई है और करीब 30 लोग घायल हैं। ये दुर्घटना बुधवार सुबह थाईलैंड के सिखियो जिले में हुई। यह क्षेत्र राजधानी बैंकॉक से करीब 230 किलोमीटर दूर है। कैसे हुआ हादसा? स्थानीय पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि हादसे में 22 लोगों की मौत हुई है और 30 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हादसे का शिकार हुई रेलगाड़ी उबोन रतचथानी प्रांत जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्माणाधीन हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट का काम चल रहा था, जिस पर क्रेन काम में लगी थी, जब वहां से ट्रेन गुजर रही थी, तभी क्रेन वहां से गुजर रही ट्रेन पर गिर गई। क्रेन गिरने के चलते ट्रेन पटरी से उतर गई और उसमें आग लग गई। फिलहाल आग को बुझा लिया गया है और बचाव कार्य चल रहा है। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्यों का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि बचाव कर्मी हादसाग्रस्त ट्रेन को काटकर घायल लोगों को निकाल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हादसे का शिकार हुई ट्रेन में 195 यात्री सवार थे। हालांकि ये आंकड़ा ट्रेन में सीटों के आधार पर बताया गया है और ट्रेन में असल में कितने यात्री सवार थे, इसका आंकड़ा अलग हो सकता है। थाईलैंड सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। हादसा बुधवार सुबह 9 बजे के करीब हुआ।

उत्तरी माली में दर्दनाक हादसा, नाइजर नदी में फेरी नाव पलटी, 38 की मौत 23 लोगों को बचाया गया

बमाको, एजेंसी। उत्तरी माली के टिंबकटू क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है, जहां नाइजर नदी में एक फेरी नाव दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में दर्जनों लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग अब भी सदमे में हैं। यह दुर्घटना गुरुवार को डिरे शहर के पास हुई, जब फेरी नाव नदी किनारे उतरने की कोशिश कर रही थी। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, नाव चट्टानों से टकरा गई और देखते ही देखते नदी में डूब गई। हालांकि प्रशासन ने अभी तक आधिकारिक मौतों की संख्या जारी नहीं की है, लेकिन क्षेत्र के निवासी और पूर्व सांसद अलकैदी तूरे ने बताया कि इस हादसे में 38 लोगों की जान गई, जबकि 23 लोग किसी तरह बच पाए। स्थानीय निवासी मूसा अग अलमौबारेक ट्राओरे ने बताया कि इस दुर्घटना में उन्होंने अपने 21 परिजनों को खो दिया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर नदी से शव निकालने में मदद की। उन्होंने कहा नदी में शव बिखरे पड़े थे, कुछ तो सड़ने भी लगे थे। उनकी गंध अब तक महसूस हो रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नाव में सवार अधिकतर लोग किसान परिवार से थे, जो धान की फसल काटकर लौट रहे थे। सुरक्षा कारणों से रात के समय नावों के किनारे लगने पर प्रतिबंध है, क्योंकि इस क्षेत्र में अल–कायदा से जुड़े आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

मेरिका के बाद इस्राइल ने भी यूएन की कई एजेंसियों से तोड़ा नाता, अपने इस फैसले की जानिए क्या वजह बताई

अमेरिका,एजेंसी। अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी खुद को संयुक्त राष्ट्र की कई एजेंसियों से अलग कर लिया है। इस्राइल ने अपने इस कदम की वजह बताते हुए कहा कि ये एजेंसियां लगातार उसके प्रति पक्षपात कर रहीं थीं और राजनीति कर रहीं थीं। बीते हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संधियों से अमेरिका को अलग कर लिया था। इनमें से आधे संगठन संयुक्त राष्ट्र के थे। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ये एजेंसियां अमेरिका के हितों के खिलाफ काम कर रही हैं। इस्राइल के विदेश विभाग ने एक बयान जारी कर कहा, श्अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र के कई संगठनों से हटने के

बाद हमने भी समीक्षा की। जिसके बाद इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने तय किया कि इस्राइल तुरंत प्रभाव से संयुक्त राष्ट्र और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपने नाते तोड़ रहा है। साथ ही विदेश मंत्री ने मंत्रालय को निर्देश दिया है कि अन्य एजेंसियों के साथ ही संबंधों की समीक्षा की जा रही है और विचार–विमर्श के बाद आगे का फैसला लिया जाएगा। इस्राइल ने यूएन के जिन संगठनों से नाता तोड़ा है, उनमें चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ऑफिस, यूएन वुमन, यूएन कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलेपमेंट, यूएन इकॉनोमिक एंड सोशल कमीशन फॉर वेस्टर्न एशिया, यूएन अलायंस ऑफ सिविलाइजेशन, यूएन एनर्जी और माइग्रेशन एंड डेवलेपमेंट ग्लोबल फोरम जैसे संगठन शामिल हैं। इस्राइल सरकार ने बताया कि चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ने इस्राइली सेना को, हमास, फलस्तीन के साथ काली सूची में डाला हुआ है। ऐसे में इस्राइल ने इस संगठन से हटने का फैसला किया है। इस्राइल ने जून 2024 में इस संगठन से रिश्ते तोड़े हुए थे और अब आधिकारिक रूप से इस संगठन से हटने का एलान कर दिया है। यूएन वुमन संगठन द्वारा इस्राइली महिलाओं के साथ हमास द्वारा किए गए यौन शोषण को नजरअंदाज करने के चलते इस्राइल की सरकार ने इस संगठन से हटने का तय किया है।

कनाडा के पीएम का चीन दौरा बेहद खास, क्या अमेरिका के सहयोगियों को तोड़ने की कोशिश कर रहा बीजिंग?

बीजिंग, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री बुधवार चीन दौरे पर पहुंच गए। कनाडा के पीएम का चीन दौरा वैश्विक राजनीति में बदलते परिदृश्य का उदाहरण है क्योंकि कई वर्षों के बाद कनाडा के पीएम चीन दौरे पर पहुंचे हैं। वहीं चीन भी इस मौके को भुनाने की ताक में है और उसने कनाडा को उसके करीबी सहयोगी अमेरिका से दूर करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। चीन के सरकारी मीडिया ने कनाडा की सरकार से अपील की है कि वे अमेरिका से स्वतंत्र विदेश नीति अपनाएं, जिसे रणनीतिक स्वायत्ता कहते हैं। चीन के सरकारी अखबार चाइना डेली ने अपने एक संपादकीय में लिखा कि श्अगर कनाडाई पक्ष पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में आई गिरावट के मूल कारणों पर विचार करती है तो उसे एहसास होगा कि वह चीन से जुड़े मुद्दों को संभालते समय अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए बन सकता है। अगर ओटावा भविष्य में भी अपनी चीन नीति को वॉशिंगटन की मर्जी के हिसाब से चलाता है, तो बीजिंग के साथ रिश्ते सुधारने की उसकी पिछली सारी कोशिशें बेकार हो जाएंगी। वहीं ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि अमेरिका का बिना सोचे–विचारे सहयोग करने और चीन पर उच्च टैरिफ लगाने के बाद अब लगता है कि कनाडा की रणनीतिक स्वायत्ता की समझ जाग रही है। हालांकि कनाडा के अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि कार्नी की चीन यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार मजबूत होने की उम्मीद है, लेकिन इससे कनाडा द्वारा लगाए गए टैरिफ हटेंगे या नहीं ये अभी तय नहीं है। दरअसल कनाडा, लंबे समय से अमेरिका का करीबी सहयोगी है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक विदेश नीति और टैरिफ के चलते अमेरिका और कनाडा के रिश्तों में भी इन दिनों थोड़ी तल्खी है। ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही है। जो बाइडन के कार्यकाल में अमेरिका ने यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, भारत, कनाडा और अन्य देशों के साथ मिलकर चीन को घेरने की रणनीति बनाई थी। हालांकि अब ट्रंप के समय में अमेरिका जिस तरह से मनमानी कर रहा है, उसमें चीन को अपने लिए अवसर दिख रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का चीन दौरा व्यापार पर फोकस है और कनाडा भी अब अमेरिका से इतर अपने लिए बाजार ढूंढ रहा है और अमेरिका पर अपनी निर्भरता को कम कर रहा है। यही वजह है कि कनाडा और चीन के रिश्ते फिर से बेहतर हो रहे हैं, जो कि जस्टिन ट्रुडो सरकार में खराब थे। अमेरिका के प्रभाव में ही कनाडा ने चीन की इलेक्ट्रिक कारों पर 100 फीसदी टैरिफ लगा दिया था, जिसके चलते कनाडा और चीन के रिश्ते बेहद खराब हो गए थे। अब फिर से दोनों देश रिश्तों को परिभाषित करने की कोशिशों में जुटे हैं।

संघर्ष जारी रखें, इनके जुल्मों का हिसाब करेंगे, निर्वासित युवराज रेजा पहलवी की प्रदर्शनकारियों से अपील

तेहरान, एजेंसी। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बीच ईरान के निर्वासित युवराज रेजा पहलवी लगातार केंद्र में बने हुए हैं। वे प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर रहे हैं और उन्हें सड़कों पर बने रहने की अपील कर रहे हैं। अब ताजा संदेश में रेजा पहलवी ने प्रदर्शनकारियों से संघर्ष जारी रखने की अपील की। उन्होंने ईरान की सरकार को चेतावनी दी कि जल्द ही इनके जुल्मों का हिसाब किया जाएगा। साथ ही उन्होंने ईरान की सेना से भी अपील की है कि वे प्रदर्शनकारियों का साथ दें क्योंकि उनके पास ज्यादा समय नहीं बचा है। निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में लिखा, श्मेरे देशवासियों, दुनिया अब आपकी आवाज और हिम्मत को सुन ही नहीं रही बल्कि इसका जवाब भी दे रही है। अभी आपने अमेरिका के राष्ट्रपति का संदेश सुना होगा कि मदद रास्ते में है। संघर्ष जारी रखें, जो आपने अभी तक किया है। इस सरकार को ऐसा भ्रम पैदा न करने दें कि सबकुछ सामान्य है। इस पूरे नरसंहार के बाद हमारे और इस सरकार के बीच खून का दरिया है। इन अपराधियों के नाम बचाकर रखें क्योंकि इन्हें इसकी सजा जरूर दी जाएगी। रेजा पहलवी ने ईरान की सेना से भी अपील की और कहा कि वे ईरान की सेना हैं न कि इस्लामिक गणराज्य की सेना। उन्होंने सेना से कहा कि अब उनके पास ज्यादा समय नहीं बचा है, इसलिए जितना जल्दी संभव हो सके, प्रदर्शनकारियों का साथ दें। रेजा पहलवी ईरान के अंतिम शाह के बेटे हैं। साल 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद शाह की सत्ता चली गई और उसके बाद से रेजा पहलवी निर्वासन में ही रह रहे हैं। ईरान में दिसंबर के अंतिम दिनों में आर्थिक संकट के चलते शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जारी है और अब तक इस प्रदर्शन में दो हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है।

नई इस्राइली फिल्म निर्भया कांड की रैलियों से प्रेरित, निर्माता बोले- उस समय भारत की यात्रा पर था

तेल अवीव, एजेंसी। निर्भया कांड के बाद देशभर में उठे जनआक्रोश ने अब अंतरराष्ट्रीय सिनेमा को भी प्रभावित किया है। इस्राइली फिल्म निर्माता डैन वोलमैन की नई फिल्म भारत की उस त्रासदी और उसके खिलाफ हुए प्रदर्शनों से प्रेरित है। आइए जानते हैं फिल्म निर्माता ने इस पर क्या कुछ कहा। इस्राइली फिल्म निर्माता डैन वोलमैन ने नई फिल्म मर्डर्स टू क्लोज, लव टू फार में भारतीय फिल्म निर्माता मंजू बोरा के साथ मिलकर 2012 में हुए निर्भया दुष्कर्म और उसकी हत्या के घटनाक्रम पर बनाई है। वोलमैन ने कहा, वह जब 2012 में भारत यात्रा पर आए, तब दिल्ली में एक फिजियोथेरेपी इंटर्न (निर्भया) के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के विरोध में व्यापक प्रदर्शन हो रहे थे। फिल्म की प्रेरणा उन्हें वहीं से मिली। फ्लोच, माई माइकल, ऐन इस्राइली लव स्टोरी और वैली ऑफ स्ट्रेंथ जैसी फिल्मों के लिए मशहूर वोलमैन ने मंजू बोरा के साथ मिलकर इस मर्डर मिस्ट्री का सह–निर्देशन किया है। यह ऐसी पहली फिल्म है जिसका सह–निर्माण भारत और इस्राइली फिल्मकारों ने किया है। इसे 24वें पुणे अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (पीआईएफएफ) में प्रदर्शित किया जाएगा। वोलमैन ने कहा, निर्भया कांड भयावह घटना थी। वोलमैन ने कहा, फिल्म की शूटिंग भारत में हुई है और इसमें यौन उत्पीड़न, हिंसा, भ्रष्टाचार, समूह के व्यवहार, गिरोह और भीड़ की मानसिकता जैसे विषयों को उठाया गया है। वह बोले, ये मुद्दे इस्राइल में भी उतने ही आम हैं जितने दुनिया के अन्य हिस्सों में।

ग्रीनलैंड के पीएम के लिए दिक्कत बढ़ने वाली है, डेनमार्क के साथ तनाव के बीच ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ग्रीनलैंड को अमेरिकी नियंत्रण में लाने को लेकर बयान दे रहे हैं। वहीं, ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री ने डेनमार्क के साथ रहने की प्राथमिकता पर जोर दिया। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, श्खैर, यह उनकी समस्या है। मैं उनसे असहमत हूं। मैं उन्हें नहीं जानता। उनके बारे में मुझे कुछ भी नहीं पता। लेकिन यह उनके लिए एक बड़ी समस्या बनने वाली है। वहीं, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं ने राष्ट्रपति ट्रंप के उस आह्वान के खिलाफ एकजुट होकर विरोध जताया है जिसमें उन्होंने अमेरिका से इस रणनीतिक आर्कटिक द्वीप को अपने कब्जे में लेने की बात कही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।